दैनिक
स्वर्णिम प्रदेश
PRN: MCN/329/2025-2027
epaper.swarnimpradesh.in
संरक्षक: मां वैष्णो देवी

विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें

अगर आप अपने विशेष अवसरों को खास बनाना चाहते हैं या महत्वपूर्ण सूचनाओं को व्यापक जनता तक पहुँचाना चाहते हैं, तो दैनिक स्वर्णिम प्रदेश आपके लिए सही मंच है। चाहे जन्मदिन की बधाई हो, शादी की सालगिरह, गुमशुदगी की सूचना, कानूनी नोटिस या कोई अन्य व्यक्तिगत और व्यावसायिक विज्ञापन, हम आपके संदेश को सही तरीके से पहुंचाने में मदद करेंगे। आपके विज्ञापन से समाचार पत्र को आर्थिक सहायता प्राप्त होगी, जो इसे और बेहतर सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगी।

ईमेल: swarnimpradesh@yahoo.com
या वाट्सऐप नं. 8898271111

वर्ष : 9 • अंक : 86 • मुंबई, मंगलवार 10 नवंबर, 2026 • पृष्ठ : 6 • मूल्य: 2 रुपये • संपादक : सुनील कुमार तिवारी • Email: swarnimpradesh@yahoo.com
www.swarnimpradesh.in

दनुआ सड़क हादसा : एक ही परिवार के पांच सदस्यों समेत सात लोगों की मौत

संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के चौपारण थाना क्षेत्र अंतर्गत दनुआ घाटी में सोमवार को हुए सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। हादसा हथिया बाबा मोड़ के समीप महानेटांड़ कट के पास सुबह करीब 11 बजे हुआ। सभी लोग एक बुजुर्ग के शव का अंतिम संस्कार करने के लिए वाराणसी जा रहे थे।



इसी दौरान सड़क किनारे खड़ी सवारी गाड़ी को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने टक्कर मार दी। हादसे में पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो घायलों ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, गिरिडीह जिले के बगोदर प्रखंड स्थित सलैयाटांड़ गांव से 19 लोग एक सवारी गाड़ी में सवार होकर वाराणसी जा रहे थे। रास्ते में वाहन की छत पर रखे शव को बांधने वाली रस्सी ढीली हो गई। इसके बाद चालक ने महानेटांड़ कट के पास गाड़ी सड़क किनारे रोक दी। यात्री रस्सी ठीक कर रहे थे, तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रेलर ने सवारी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रेलर चालक वाहन लेकर फरार हो गया। इसी दौरान पीछे से आ रहा कोयला लदा एक ट्रक भी दुर्घटनाग्रस्त सवारी गाड़ी से टकराने के बाद सड़क किनारे घाटी में पलट गया। घटना की सूचना मिलते ही चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार और पुलिस अधिकारी नितिन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। उन्होंने घटनास्थल पर पांच लोगों की मौत की पुष्टि की थी। चार घायलों की स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, हजारीबाग भेजा गया। वहीं, अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. राजकिशोर सूचना मिलने पर ट्रॉमा सेंटर पहुंचे और चिकित्सकों से घायलों के इलाज की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि अस्पताल पहुंचने वाले सभी घायलों को समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उपाधीक्षक ने हादसे में सात लोगों की मौत की पुष्टि की। इनमें पांच की मौत घटनास्थल पर हुई थी, जबकि दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने भी सात लोगों की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि घायल विभिन्न अस्पतालों में इलाजरत हैं। दुर्घटना में जान गंवाने वाले सभी लोग गिरिडीह जिले के बगोदर प्रखंड की मुंडरो पंचायत के बिहारो गांव स्थित सलैयाटांड़ टोला के निवासी थे। मृतकों में एक ही परिवार के सदस्य, रिश्तेदार और पड़ोसी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, सलैयाटांड़ निवासी 90 वर्षीय कुंजो प्रजापति का रविवार को निधन हो गया था। उनकी इच्छा थी कि उनका अंतिम संस्कार वाराणसी में किया जाए। इसी इच्छा को पूरा करने के लिए परिवार के सदस्य और रिश्तेदार उनका शव लेकर वाराणसी जा रहे थे। मृतकों में कुंजो प्रजापति के बेटे राजू पंडित, बहू बुधनी देवी, दामाद धोकल पंडित (चौबे), जीजा रामेश्वर पंडित (चिचाकी) और पड़ोसी रामकिशुन मंडल शामिल हैं। हालांकि, सभी सात मृतकों के नामों की पूरी पुष्टि नहीं हो सकी है। हादसे में घायल लोगों में डिली प्रजापति, जितेंद्र पंडित, विष्णु पंडित, सीताराम पंडित, फागुन पंडित, लखन पंडित, रूबिया देवी और सावित्री देवी सहित अन्य लोग शामिल हैं।

खरगे के 'खुशियों की ईद' वाले बयान की भाजपा और विहिप ने की निंदा

संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दीपावली को 'खुशियों की ईद' बताने वाले बयान की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने निंदा की है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने इसे करोड़ों हिन्दुओं की भावनाओं को आहत करने वाला बयान बताते हुए कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टीकरण और हिन्दू विरोधी मानसिकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। वहीं, विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने खरगे के बयान को पूरे हिन्दू समाज का अपमान बताते हुए कांग्रेस अध्यक्ष से माफी मांगने की मांग की।



गौरव भाटिया ने सोमवार को यहां भाजपा मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि खरगे के बयान राहुल गांधी और सोनिया गांधी की हिन्दू तथा सनातन विरोधी मानसिकता को दर्शाते हैं। खरगे कांग्रेस के ऐसे अध्यक्ष हैं, जिन्हें सोनिया गांधी नियंत्रित करती हैं और राहुल गांधी उनके बयानों को दिशा देते हैं। दीपावली दुनिया के सबसे प्राचीन धर्मों और संस्कृतियों में से एक हिन्दू धर्म का प्रमुख त्योहार है। भगवान राम सभी के आराध्य हैं। ऐसे में कांग्रेस अध्यक्ष को दीपावली कहने में भी परेशानी क्यों हो रही है। भाटिया ने कहा कि जब पूरा देश दीपावली की शुभकामनाएं दे रहा था, तब खरगे ने इसे पूरी दुनिया के लिए 'खुशियों की ईद' बताया। क्या कांग्रेस की राजनीति अब हिन्दू त्योहारों की पहचान बदलने की हो गई है। खरगे के इस बयान से करोड़ों हिन्दुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। भाटिया ने राहुल गांधी और खरगे को चुनौती देते हुए कहा कि जब ईद आए तो वे उसे 'खुशियों की दीपावली' कहकर दिखाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का चरित्र मुस्लिम वर्ग का तुष्टीकरण करना और हिन्दू समाज की भावनाओं को आहत करना रहा है। दीपावली खुशियों, आनंद और समावेशिता का त्योहार है, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष के बयान ने इस अवसर पर भी हिन्दू समाज की भावनाओं को चोट पहुंचाई है। खरगे के बयान कांग्रेस की उसी मानसिकता को आगे बढ़ाते हैं, जिसका भाजपा लगातार विरोध करती रही है। विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने भी खरगे के बयान की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके अध्यक्ष को अब हर त्योहार में ईद दिखाई देती है।

सूचना

भाईदूज के अवसर पर मंगलवार, 10 नवंबर 2026 को कार्यालय में अवकाश रहेगा।
अत: बुधवार का अंक प्रकाशित नहीं होगा।–**संपादक**

छठ पर्व पर यात्रियों के लिए रेलवे की विशेष व्यवस्था, दिल्ली के प्रमुख स्टेशनों पर अधिकारियों की निगरानी



संवाददाता

नई दिल्ली। छठ पर यात्रियों की सुविधा और भीड़ के बेहतर प्रबंधन के लिए उत्तर रेलवे ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और आनंद विहार टर्मिनल पर स्थायी होल्डिंग एरिया बनाए हैं। इसके अलावा आनंद विहार टर्मिनल पर अस्थायी होल्डिंग एरिया (टेंट) भी तैयार किया गया है। इन होल्डिंग एरिया में अनारक्षित टिकट काउंटर, शौचालय, ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम), खानपान स्टॉल, 'माय आई हेल्प यू' बूथ और उद्घोषणा प्रणाली जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। रेलवे कर्मचारी यात्रियों को लगातार मार्गदर्शन और सहायता प्रदान कर रहे हैं। दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर छठ पर्व से जुड़े गीत भी बजाए जा रहे हैं।

खास खबर

सरहद पर तैनात जवानों ने साथियों संग मनाई दिवाली, घर से दूर जवानों में दिखा उत्साह



चंडीगढ़। देशभर में दिवाली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया, तो देश की सीमाओं और दुर्गम इलाकों में तैनात भारतीय सेना तथा सुरक्षा बलों के जवानों ने भी अपने साथियों के साथ मिलकर त्योहार की खुशियां साझा कीं। घरों से सैकड़ों किलोमीटर दूर होने के बावजूद जवानों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश साझा कर अपने परिवारों और देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में सेना के कई जवान बुलेटप्रूफ जैकेट और हेलमेट पहनकर दिवाली की बधाई देते नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में एक सिख जवान अपने साथियों की तालियों और उत्साह के बीच सुरीले अंदाज में गीत गाता दिखाई देता है। गीत के माध्यम से वह व्यंग्यात्मक अंदाज में अपनी भावनाएं व्यक्त करता है कि वह दिवाली पर घर नहीं जा सका और न ही अपनी बहन की शादी में शामिल हो पाया, क्योंकि उसे सीमा पर ड्यूटी निभानी है। वह कहता है कि दिनभर कानों में गोलियों की आवाजें गूंजती रहती हैं, ऐसे में उन्हें लगता है कि मानो उनके लिए हर दिन दिवाली ही हो। एक अन्य वीडियो में पूर्वोत्तर भारत से संबंध रखने वाला एक जवान देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए कहता है कि भले ही वह अपने घर से दूर है, लेकिन अपनी बटालियन के साथियों के बीच त्योहार मनाकर बेहद खुश है। उसके लिए बटालियन ही दूसरे परिवार की तरह है। उसने बताया कि सभी जवान पूरी निष्ठा और उत्साह के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं और हर त्योहार मिलकर मनाते हैं। एक अन्य वीडियो में अग्रिम मोर्चे पर तैनात जवान प्रार्थना करते और पटाखे चलाकर दिवाली मनाते दिखाई दिए। दरअसल, हर साल सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के हजारों जवान अपनी ड्यूटी के कारण त्योहारों और परिवार के महत्वपूर्ण आयोजनों में शामिल नहीं हो पाते। इनमें से कई जवान दुर्गम सीमावर्ती क्षेत्रों और संवेदनशील इलाकों में तैनात रहते हैं, जहां परिवारों को साथ रखने की अनुमति नहीं होती। इसके अलावा आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारियां निभाने वाले जवान भी त्योहारों पर अपने कार्यस्थलों पर ही डटे रहते हैं।

बालाजी मुरुगदास के घर मादक पदार्थ निषेध विभाग की छापेमारी

चेन्नई। तमिल अभिनेता और बिग बॉस तमिल सीजन-4 के उपविजेता बालाजी मुरुगदास के घर मादक पदार्थों से जुड़े मामले में छापेमारी की गई। रविवार (8 नवंबर) रात हुई इस कार्रवाई को लेकर अभिनेता ने सोशल मीडिया पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने सवाल उठाया है कि आखिर उनके खिलाफ किसने शिकायत दर्ज कराई और किस आधार पर पुलिस उनके घर पहुंची। बालाजी मुरुगदास ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर बताया कि मादक पदार्थ निषेध विभाग के 15 अधिकारी व कर्मी उनके घर पहुंचे और तलाशी ली। अभिनेता के अनुसार, उन्होंने पुलिसकर्मियों से कई बार शिकायतकर्ता का नाम और शिकायत का कारण जानने की कोशिश की, लेकिन उन्हें कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। अभिनेता ने अपनी पोस्ट में कहा कि वह सिर्फ यह जानना चाहते हैं कि उनके खिलाफ किसने शिकायत की है और शिकायत दर्ज कराने की वजह क्या है। उन्होंने यह भी कहा कि वह रक्त परीक्षण कराने के लिए तैयार हैं, जिससे कि उनके खिलाफ लगाए गए किसी भी संदेह को दूर किया जा सके।

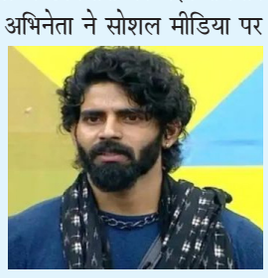

गोकुल अध्यक्ष चुनाव में बड़ा ट्विस्ट, शासन नियुक्त चार संचालकों का मतदान अलग रखा जाएगा

- अदालत ने अध्यादेश पर रोक लगाने की मांग ठुकराई, 25 नवंबर को अगली सुनवाई, अंतिम नतीजा न्यायालय के फैसले के अधीन

संवाददाता

कोल्हापुर। कोल्हापुर जिला सहकारी दूध उत्पादक संघ 'गोकुल' के अध्यक्ष चुनाव को लेकर कानूनी और राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। शासन द्वारा चार संचालकों की नियुक्ति के लिए जारी अध्यादेश के विरोध के बीच अदालत से बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। तय कार्यक्रम के अनुसार गोकुल अध्यक्ष का चुनाव होगा, जिसमें निर्वाचित 25 संचालकों के साथ शासन नियुक्त चार सदस्य भी मतदान करेंगे।

हालांकि, शासन नियुक्त चारों संचालकों के मत अलग रखे जाएंगे। पूरी मतदान प्रक्रिया की वीडियोग्राफी होगी और चुनाव के बाद परिणाम घोषित कर अध्यक्ष का चयन भी किया जाएगा। राज्य सरकार की ओर से अध्यादेश पर स्थगन की मांग अदालत ने खारिज कर दी है। हालांकि, अध्यादेश सही है या गलत, इस पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। मामले की अगली सुनवाई 25 नवंबर को होगी। अदालत ने चुनाव प्रक्रिया को अंतिम निर्णय के अधीन रखा है। ऐसे में अध्यक्ष चुनाव के परिणाम को लेकर राजनीतिक और कानूनी अनिश्चितता बनी हुई है।



सतेज पाटिल के नेतृत्व में अध्यादेश के खिलाफ मोर्चा

शासन द्वारा चार संचालकों की नियुक्ति के अध्यादेश के विरोध में सोमवार को कोल्हापुर में सतेज पाटिल के नेतृत्व में बड़ा मोर्चा निकाला गया। मोर्चे के दौरान सतेज पाटिल ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि देश में केवल अमूल और मदर डेयरी जैसे दो ब्रांड बनाए रखने के उद्देश्य से यह कथित षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने इस दौरान हसन मुश्रीफ और चंद्रकांत पाटिल पर भी निशाना साधा। अदालत के आदेश के बाद गोकुल अध्यक्ष चुनाव का राजनीतिक संघर्ष और दिलचस्प हो गया है। अब सभी की निगाहें 25 नवंबर को होने वाली सुनवाई पर टिकी हैं, जहां अध्यादेश की वैधता को लेकर आगे की स्थिति स्पष्ट हो सकती है।

पटाखे फोड़ने से रोकने पर एसएसआई की पीट-पीटकर हत्या, तीन गिरफ्तार

संवाददाता

थेनी। तमिलनाडु के थेनी जिले में सड़क पर पटाखे फोड़ने से रोकने पर विशेष सहायक उपनिरीक्षक (एसएसआई) सेंथिल कुमार (55) की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। दक्षिण क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक विजयेंद्र बिदरी ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, सेंथिल कुमार थेनी जिला पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय में लेखक (क्लर्क) के पद पर कार्यरत थे। दीपावली के दिन यानी आठ नवंबर को ड्यूटी पूरी करने के बाद वह रात में रोजाना की तरह घर लौट रहे थे। इसी दौरान थेनी के समधर्मपुरम इलाके में कुछ युवक सड़क पर पटाखे फोड़ रहे थे। बताया जाता है कि युवक शराब के नशे में थे और सड़क पर पटाखे फोड़कर स्थानीय लोगों को परेशान कर रहे थे। वहां से गुजर रहे सेंथिल कुमार ने उन्हें सड़क पर पटाखे फोड़ने से मना किया और किसी दूसरी जगह जाकर आतिशबाजी करने की सलाह दी। हालांकि, युवकों ने उनकी बात अनसुनी कर दी और सड़क पर पटाखे फोड़ना जारी रखा। इसके बाद सेंथिल कुमार ने इस संबंध में पुलिस नियंत्रण कक्ष में शिकायत दर्ज कराई। इससे नाराज युवकों ने उन पर हमला कर दिया और बेरहमी से पिटाई की। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाया और तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस विभाग में शोक और आक्रोश का माहौल है। पुलिस ने सोमवार सुबह मामले में संलिप्तता के आरोप में तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। दक्षिण क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक विजयेंद्र बिदरी ने तीन आरोपितों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है।



अमित शाह ने अहमदाबाद को दी 1,400 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात, सरखेज-इस्कॉन ओवरब्रिज जनता को समर्पित

संवाददाता

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को अहमदाबाद को विकास कार्यों की बड़ी सौगात देते हुए 1,400 करोड़ रुपये के विभिन्न प्रकल्पों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने 450 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बने सरखेज-इस्कॉन एलिवेटेड ओवरब्रिज का उद्घाटन कर इसे जनता को समर्पित किया।



इसके साथ ही वाडज स्थित रामापीर टेकरा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने मकानों के लाभार्थियों को चाबियां सौंपीं। इस अवसर पर शाह ने कहा कि सरखेज से गांधीनगर पहुंचने में पहले वाहन चालकों को काफी समय लगता था, लेकिन अब ओवरब्रिज शुरू होने से बिना ट्रैफिक सिग्नल के सीधे गांधीनगर पहुंचना संभव होगा। प्रतिदिन दो लाख से अधिक लोगों को इससे आवागमन में सुविधा मिलेगी। एसजी हाइवे पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और वाईएमसीए, प्रह्लादनगर तथा कर्णावती क्लब जंक्शन पर लगने वाले जाम से भी राहत मिलेगी। उन्होंने रामापीर टेकरा के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 1985 में जब वे चुनाव का काम करने यहां आते थे, तब इस क्षेत्र की स्थिति बेहद कठिन थी। यहां पीने के पानी, बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। उस समय लगभग 50 से 55 हजार लोग झुग्गी-बस्तियों में रहकर जीवन व्यतीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2007 में मुख्यमंत्री रहते हुए झुग्गी-बस्तियों के निवासियों को पक्के मकान देने की योजना शुरू की थी, जिसे मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल आगे बढ़ा रहे हैं। आज यहां के लोगों को साफ-सुथरे और सुविधायुक्त मकान मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन आवासीय परिसरों में सामाजिक सुरक्षा, मनोरंजन, वाचनालय, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। इससे नई पीढ़ी को बेहतर वातावरण मिलेगा और बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया जा सकेगा। उन्होंने लाभार्थियों से अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने का आग्रह भी किया। केंद्रीय गृहमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने लंबे समय तक देश और गुजरात में शासन किया, लेकिन रामापीर टेकरा जैसे क्षेत्रों की समस्याओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1995 में भाजपा के पहले पार्षद के चुनाव जीतने के बाद इस क्षेत्र में पार्टी को जनसमर्थन मिलना शुरू हुआ। उन्होंने क्षेत्र के विकास को लेकर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने गुजरात को नशामुक्त बनाने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि राज्य को 31 दिसंबर 2028 तक ड्रग्स मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि नशे से जुड़ी किसी भी गतिविधि की जानकारी हेल्पलाइन नंबर 1033 पर दें। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गोपनीय रखा जाएगा। कार्यक्रम के दौरान अमित शाह ने जोधपुर में नवनिर्मित 'नॉलेज हब' और गोटा में अर्बन हेल्थ सेंटर का भी उद्घाटन किया। इसके अलावा उन्होंने जसपुर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि पश्चिमी अहमदाबाद में बढ़ती आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में यह परियोजना महत्वपूर्ण साबित होगी।

संपादकीय



दीपावली को अंतरराष्ट्रीय महोत्सव बनाने से अर्थव्यवस्था को मिलेगा नया आयाम

भारत के प्रमुख सांस्कृतिक और धार्मिक पर्वों में शामिल दीपावली अब केवल रोशनी, खुशियों और उत्सव का अवसर नहीं रह गई है, बल्कि यह देश की सांस्कृतिक पहचान और आर्थिक सामर्थ्य को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का एक बड़ा माध्यम भी बन सकती है। यदि दीपावली को योजनाबद्ध तरीके से अंतरराष्ट्रीय महोत्सव का स्वरूप दिया जाए, तो इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने के साथ-साथ पर्यटन, व्यापार, हस्तशिल्प, होटल उद्योग, परिवहन और छोटे कारोबारियों के लिए रोजगार के व्यापक अवसर पैदा हो सकते हैं। भारत की सांस्कृतिक विरासत इतनी समृद्ध है कि दीपावली को वैश्विक उत्सव के रूप में स्थापित करना न केवल संभव है, बल्कि यह देश की आर्थिक और सांस्कृतिक कूटनीति के लिए भी महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। दीपावली का उत्सव भारत की सीमाओं तक सीमित नहीं है। दुनिया के अनेक देशों में भारतीय समुदाय इस पर्व को बड़े उत्साह के साथ मनाता है। नेपाल, मॉरीशस, फिजी, श्रीलंका, सिंगापुर, मलेशिया, ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में दीपावली के आयोजन भारतीय संस्कृति की वैश्विक पहुंच को दर्शाते हैं। कई देशों में सार्वजनिक स्थानों पर रोशनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, दीपोत्सव और सामुदायिक आयोजन होते हैं। यदि भारत सरकार इन आयोजनों को पर्यटन और व्यापार से जोड़ने की व्यापक पहल करे, तो दीपावली अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़े सांस्कृतिक और आर्थिक आयोजन के रूप में पहचान बना सकती है। इस दिशा में सबसे बड़ा लाभ पर्यटन क्षेत्र को मिल सकता है। दीपावली के अवसर पर अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, उज्जैन, जयपुर, अमृतसर और दिल्ली जैसे शहरों में विशेष आयोजन किए जा सकते हैं। अयोध्या का दीपोत्सव पहले ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आकर्षण का केंद्र बन चुका है। इसी तरह वाराणसी के घाटों पर दीपों की सजावट, जयपुर की रोशनी और देश के विभिन्न हिस्सों की पारंपरिक दीपावली दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित कर सकती है। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय प्रचार, विशेष पर्यटन पैकेज, बेहतर परिवहन और गुणवत्तापूर्ण आवास सुविधाओं का विकास आवश्यक है। विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ने से होटल, रेस्तरां, टैक्सी, स्थानीय गाइड और छोटे व्यापारियों की आमदनी में वृद्धि होगी। दीपावली का दूसरा बड़ा आर्थिक पक्ष घरेलू उद्योग और पारंपरिक बाजार हैं। मिट्टी के दीये बनाने वाले कुम्हार, सजावटी सामान तैयार करने वाले कारीगर, हस्तशिल्प उत्पादक, कपड़ा उद्योग, मिठाई निर्माता और छोटे दुकानदार इस पर्व से सीधे जुड़े हैं। अंतरराष्ट्रीय महोत्सव के रूप में दीपावली को बढ़ावा देने से भारतीय हस्तशिल्प और स्वदेशी उत्पादों की मांग विदेशों में भी बढ़ सकती है। इससे स्थानीय कारीगरों को बड़े बाजार मिलेंगे और पारंपरिक कलाओं को संरक्षण मिलेगा। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वाले छोटे उत्पादकों के लिए यह आर्थिक आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण अवसर बन सकता है। इसके साथ ही दीपावली को भारतीय उत्पादों के वैश्विक प्रचार का मंच बनाया जा सकता है। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले, हस्तशिल्प प्रदर्शनियां, भारतीय वस्त्रों के फैशन शो, पारंपरिक व्यंजनों के उत्सव और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं। इससे 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' जैसी पहलों को भी मजबूती मिलेगी। भारतीय मिठाइयों, सजावटी वस्तुओं, पारंपरिक परिधानों, पूजा सामग्री और आयुर्वेदिक उत्पादों को वैश्विक बाजार में नई पहचान मिल सकती है।

आरोपों की राजनीति, लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा नहीं

पंकज चतुर्वेदी



स्वस्थ लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सत्ता पक्ष का दायित्व देश के विकास, सुशासन और जनकल्याणकारी नीतियों को आगे बढ़ाना है, जबकि विपक्ष की जिम्मेदारी सरकार की नीतियों की रचनात्मक समीक्षा करना और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाना है। लेकिन जब विपक्ष की राजनीति रचनात्मक आलोचना के बजाय निरंतर मिथ्या आरोपों, आशंकाओं और नकारात्मक प्रचार तक सीमित होने लगे, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या ऐसी राजनीति वास्तव में लोकतंत्र और समाज के हित में है? वर्तमान भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच वैचारिक एवं राजनीतिक संघर्ष इसी संदर्भ में चर्चा का विषय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने विकास, बुनियादी सुविधाओं के विस्तार, डिजिटल सेवाओं, गरीब कल्याण, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका को अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं में प्रमुखता दी है। दूसरी ओर कांग्रेस सहित विपक्षी दल सरकार के निर्णयों और उपलब्धियों पर सवाल उठाते रहे हैं। लोकतंत्र में सवाल उठाना आवश्यक है, लेकिन सवालों की विश्वसनीयता उनके पीछे मौजूद तथ्यों और प्रमाणों से तय होनी चाहिए। विकास के दावों का मूल्यांकन और राजनीतिक जिम्मेदारी हम सब की है। पिछले वर्षों में भारत में बुनियादी ढांचे, राजमार्गों, रेलवे, डिजिटल भुगतान, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, वित्तीय समावेशन और सरकारी सेवाओं की पहुंच में महत्वपूर्ण विस्तार हुआ है। जनधन खातों, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत अभियान, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने सार्वजनिक नीति और सरकारी सेवा वितरण को व्यापक राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनाया है और इन सबका प्रत्यक्ष लाभ देश के आम आदमी को सतत रूप से मिल रहा है। शायद यही राहुल गांधी और कांग्रेस की पीड़ा है। इन योजनाओं की उपलब्धियों का मूल्यांकन केवल सरकारी प्रचार या विपक्षी आलोचना से नहीं, बल्कि लाभार्थियों की संख्या, वास्तविक परिणामों, स्वतंत्र मूल्यांकन और आधिकारिक आंकड़ों से होना चाहिए। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की उपलब्धियों पर प्रश्न उठाना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन उन उपलब्धियों को बिना पर्याप्त तथ्यों के नकार देना भी स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा नहीं कही जा सकती। दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी ने निरंतर अपने विकास संबंधी दावों के समर्थन में प्रमाण और परिणाम प्रस्तुत किए, जिन्हें देश की जनता ने स्वीकार करके चुनाव के समय भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में विगत तीन चुनावों से लगातार मतदान भी किया है। इस सब से लोकतंत्र में किसी भी सरकार की जवाबदेही निरंतर बनी रहती है।

देश कांग्रेस के इन आरोपों की राजनीति पर और कांग्रेस की अराजक राजनीतिक भूमिका पर सवाल कांग्रेस से ही पूछ रहा है, जिससे कांग्रेस की स्थिति मज़बूत होने के स्थान पर और कमजोर हो रही है। खोखले आरोपों की राजनीति आज के इस सजग सूचना दौर में टिक नहीं सकती। लोकतंत्र में विपक्षी भूमिका भी महत्वपूर्ण है। लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में कांग्रेस के सामने एक बड़ी चुनौती यह है कि वह अपनी राजनीति को केवल भाजपा के विरोध के आधार पर परिभाषित करने के बजाय एक स्पष्ट वैकल्पिक विकास दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत करे, जो दुर्भाग्य से कांग्रेस के पास नहीं है। चाहे चुनावी प्रक्रिया पर सवाल हों, संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता का मुद्दा हो या सरकारी नीतियों पर आरोप, प्रत्येक विषय पर प्रमाण और तथ्यों के आधार पर चर्चा होनी चाहिए। उदाहरण के लिए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर विपक्ष ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाए हैं। दूसरी ओर चुनाव आयोग का पक्ष है कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य दोहराव और अपात्र प्रविष्टियों को हटाकर मतदाता सूची को शुद्ध करना है। ऐसे विवादों का समाधान राजनीतिक नारों और आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि पारदर्शी जांच, प्रमाण और संवैधानिक प्रक्रियाओं से होना चाहिए। 1 नवंबर 2026 को दिल्ली में विपक्षी दलों ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। यह लोकतांत्रिक विरोध का उदाहरण है, लेकिन ऐसे गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच और प्रमाणों की सार्वजनिक समीक्षा भी उतनी ही जरूरी है। यह बात और है कि लाखों की संख्या के दावे वाले कांग्रेस के इस आयोजन में, जिसमें कांग्रेस पार्टी सहित पूरा इंडी ब्लॉक शामिल था, चंद हज़ार लोग ही नज़र आए। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों को यह समझना होगा कि केवल किसी संस्था पर संदेह व्यक्त कर देने से आरोप प्रमाणित नहीं हो जाते। जनता को आरोप के साथ प्रमाण, समस्या के साथ समाधान और आलोचना के साथ वैकल्पिक नीति भी चाहिए। लोकतंत्र में विपक्ष की जिम्मेदारी केवल विरोध नहीं, विकल्प प्रस्तुत करना भी है। एक मजबूत लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष आवश्यक है। लेकिन मजबूत विपक्ष वह नहीं है जो प्रत्येक सरकारी निर्णय का विरोध करे, बल्कि वह है जो गलत नीतियों की तथ्यपूर्ण आलोचना करे और बेहतर विकल्प प्रस्तुत करे। यदि सरकार कोई जनकल्याणकारी योजना शुरू करती है, तो विपक्ष को उसके क्रियान्वयन में कमियों की पहचान करनी चाहिए और सुधार के सुझाव देने चाहिए। यदि कोई आर्थिक नीति रोजगार, निवेश या किसानों की स्थिति को प्रभावित करती है, तो उस पर आंकड़ों के आधार पर गंभीर बहस होनी चाहिए। संसद लोकतांत्रिक विमर्श का सर्वोच्च मंच है। वहां जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा, प्रश्नकाल और विधायी समीक्षा का महत्व है। संसद का समय केवल नारेबाजी और व्यवधान में व्यतीत होना जनता के हित में नहीं है। विपक्ष को सदन में चर्चा के अवसरों का रचनात्मक उपयोग करना चाहिए। हम सब जानते हैं कि सामाजिक जीवन में राजनीतिक मर्यादा और प्रमाण का महत्व है। राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का प्रभाव केवल संसद और चुनाव तक सीमित नहीं रहता। उसका असर सामाजिक संबंधों, परिवारों, युवाओं और सार्वजनिक संवाद पर भी पड़ता है। जब राजनीतिक विरोध व्यक्तिगत शत्रुता में बदलता है, तब समाज में वैचारिक विभाजन बढ़ने लगता है। आज सोशल मीडिया पर राजनीतिक विचारधारा के आधार पर लोगों को अपमानित करना, बिना जांचे आरोप साझा करना और आधी-अधूरी जानकारी के माध्यम से जनमत प्रभावित करना एक गंभीर चुनौती है। भाजपा का समर्थक होना या कांग्रेस का समर्थक होना किसी नागरिक की लोकतांत्रिक पहचान का हिस्सा हो सकता है, लेकिन किसी भी विचारधारा के समर्थन में तथ्यों और विवेक को छोड़ देना उचित नहीं है। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद सामाजिक सद्भाव, राष्ट्रीय एकता और पारस्परिक सम्मान बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। राजनीतिक जवाबदेही के नए मानदंड में वर्तमान समय में राजनीतिक दलों के मूल्यांकन के लिए कुछ समान मानदंड स्थापित किए जाने चाहिए। भाजपा तो अपने विकास कार्यों, नीतियों और उपलब्धियों का प्रमाण-आधारित विवरण जनता के सामने निरंतर प्रस्तुत करती ही है। वहीं कांग्रेस को भी केवल विरोध की राजनीति से आगे बढ़कर अपनी नीतियों, नेतृत्व, संगठनात्मक दृष्टिकोण और वैकल्पिक विकास मॉडल को स्पष्ट करना चाहिए।भारत आज वैश्विक स्तर पर अपनी आर्थिक, तकनीकी, सामरिक और कूटनीतिक पहचान मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का स्तर भी राष्ट्रीय आकांक्षाओं के अनुरूप होना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी और उसकी सरकार की उपलब्धियों की चर्चा तथ्यों और परिणामों के आधार पर होनी चाहिए। इसी प्रकार कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को भी अपनी आलोचनाओं को प्रमाणों और रचनात्मक विकल्पों के साथ प्रस्तुत करना चाहिए। लोकतंत्र में विरोध आवश्यक है, लेकिन निराधार आरोपों को राजनीतिक रणनीति बना लेना स्वस्थ परंपरा नहीं है। देश को ऐसी राजनीति की आवश्यकता है जो विकास को प्राथमिकता दे, जनप्रतिनिधियों को जवाबदेह बनाए, संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान करे और समाज में सकारात्मक संवाद स्थापित करे। क्योंकि लोकतंत्र में जनता केवल यह नहीं देखती कि कौन किसका विरोध कर रहा है, बल्कि यह भी देखती है कि कौन देश के लिए क्या कर रहा है। राजनीति की असली कसौटी आरोपों की संख्या नहीं, बल्कि कार्यों की गुणवत्ता, वादों की विश्वसनीयता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी होनी चाहिए। भारत के लोकतंत्र के लिए खतरा बन रहे घुसपैठियों को देश से और मतदाता सूची से बाहर करना सिर्फ किसी राजनीतिक दल का नहीं, अपितु हम सबका नैतिक दायित्व है और होना भी चाहिए।



एल.आई.सी

भारतीय जीवन बीमा से संबंधित किसी भी जानकारी या समस्या समाधान हेतु संपर्क करें।

-भारत सिंह

मो. 9967255741

महत्वपूर्ण सूचना

विज्ञापन प्रति के स्वीकृति पूर्व एहतियातन बरती जाने के बावजूद, उसमें अंतर्भूत बाते जाँचना संभव नहीं है। ऐसी अंतर्भूत बातों के लिए दैनिक स्वर्णिम प्रदेश के अंतर्गत समाचार पत्र या प्रकाशनों में आनेवाली कंपनियां, संस्थाए या व्यक्तिगत विज्ञापनों के साथ हुए किसी भी प्रकार के व्यवहार के लिए समाचार पत्र जिम्मेदार नहीं है।

यम द्वितीया पर विशेष: दवात-कलम, कर्म और न्याय के देवता भगवान चित्रगुप्त

अंजनी सक्सेना



भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में ऐसे अनेक देवता हैं जिनका संबंध केवल आस्था और विश्वास से ही नहीं, बल्कि जीवन के मूल सिद्धांतों से भी है। इन्हीं में एक प्रमुख नाम है भगवान चित्रगुप्त का, जिन्हें कर्मों के लेखाकार, न्याय के संरक्षक और सत्य के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। धर्मग्रंथों के अनुसार भगवान चित्रगुप्त प्रत्येक प्राणी के पाप-पुण्यों का लेखा-जोखा रखने वाले देवता हैं तथा वे धर्मराज के सहायक हैं। उनका नाम ही उनकी भूमिका को स्पष्ट करता है। "चित्र" यानी स्पष्ट चित्रण और "गुप्त" यानी छिपा हुआ, अर्थात वे केवल दिखाई देने वाले कर्म ही नहीं, बल्कि मन के भाव और इरादों तक का लेखा रखते हैं। भगवान चित्रगुप्त एवं कायस्थों की उत्पत्ति का विवरण कई पुराणों एवं धर्मग्रंथों में मिलता है। इस विवरण के अनुसार ब्रह्मा जी ने अपने मुख से ब्राह्मण, भुजाओं से क्षत्रिय, पेट या जंघा से वैश्य तथा पैरों से शूद्र उत्पन्न किए। उन्होंने सूर्य एवं चन्द्र आदि ग्रहों के साथ ही बिना पैर वाले जीवों से लेकर अनेक पैर वाले जीवों की रचना की। इस सृष्टि की रचना के बाद ब्रह्मा के शरीर (काया) से बड़ी-बड़ी भुजाओं वाले, श्याम वर्ण, कमलवत् नेत्रवान्, शंख के समान गर्दन वाले, तेजस्वी, अति बुद्धिमान, हाथ में लेखनी और दवात धारण किए हुए अव्यक्त जन्मा चित्रगुप्त जी प्रकट हुए।

समाधि खुलने के बाद ब्रह्मा जी ने अपने सामने उपस्थित इस पुरुष से पूछा आप कौन हैं? उस पुरुष ने कहा मैं आपके ही शरीर से उत्पन्न हुआ हूं, इसलिए आप मेरा नामकरण कीजिए तथा मेरे कर्तव्य बताइए। ब्रह्मा जी ने यह सुनकर कहा कि तुम मेरी काया (शरीर) से उत्पन्न हुए हो इसलिए तुम्हारी संज्ञा कायस्थ है। तुम्हारी उत्पत्ति के समय मेरा मन विश्रांत स्थिति में था अर्थात मेरा चित्त गुप्त था, इसलिए तुम चित्रगुप्त कहलाओगे। तुम धर्मराज की धर्मपुरी में निवास करो और प्राणियों के धर्माधर्म पर विचार करो। धर्मग्रंथों के अनुसार चित्रगुप्त जी के दो विवाह हुए, एक सूर्य कन्या से तथा दूसरा नाग कन्या से। इन पत्नियों से उनके बारह पुत्र उत्पन्न हुए। इन पुत्रों के नाम पर ही कायस्थों की बारह उपजातियां हैं। भगवान चित्रगुप्त ने अपने इन पुत्रों को शास्त्रों की शिक्षा दी तथा उनके लिए कर्तव्यों का निर्धारण किया। इन कर्तव्यों के अनुसार कायस्थों को देवताओं का पूजन, पितरों का श्राद्ध तथा अभ्यागतों की सेवा करना चाहिए। चित्रगुप्त जी ने अपनी संतति को महिषासुर मर्दिनी देवी की पूजन एवं उपासना करने का भी आदेश दिया। भारतीय समाज में कायस्थ एक बुद्धिजीवी एवं चतुर जाति मानी जाती है। मध्यकाल में तो यह मान्यता थी कि राज-काज के संचालन में इससे कुशल एवं प्रवीण कोई अन्य जाति नहीं है। गुप्त काल से लेकर राजपूत, मुगल एवं मराठा शासकों के काल में कायस्थ न केवल महत्वपूर्ण पदों पर आसीन होते थे, बल्कि राजस्व विभाग विशेषकर पटवारियों के पदों पर कायस्थों का ही अधिकार होता था। कायस्थ जाति अपने आपको भगवान चित्रगुप्त का वंशज मानती है और उन्हीं को अपना आदि देव तथा कुलदेव स्वीकार करती है। भगवान चित्रगुप्त के स्वरूप का वर्णन करते हुए एक प्रचलित श्लोक अक्सर सुनने को मिलता है, "लेखनी-पत्र-हस्तं च चित्रगुप्तं नमाम्यहम्। कर्मणा लेखनं यस्य सर्वभूतहिते रतम्॥" इस श्लोक में चित्रगुप्त के उस रूप का चित्रण है, जिसमें वे हाथ में लेखनी और पत्र लिए हुए हैं और समस्त प्राणियों के कर्मों का लेखा लिखते हैं, जिसमें हर कार्य का हिसाब है और हर निर्णय का परिणाम। कायस्थ जाति में भगवान चित्रगुप्त की वर्ष में कम-से-कम दो बार पूजन होती है। इनमें से पहली पूजन दीपावली की द्वितीया को होती है तथा दूसरी होली की द्वितीया को। यह दोनों ही तिथियां भाई दौज या यम द्वितीया के नाम से प्रसिद्ध हैं। इस दिन प्रत्येक कायस्थ के घर में चित्रगुप्त जी एवं कलम-दवात की पूजा होती है। कई स्थानों पर यह पूजन सामूहिक रूप से भी की जाती है। पूजन के समय भगवान चित्रगुप्त की स्तुति में जो मंत्र कहे जाते हैं, उनका अर्थ है कि दवात-कलम और खल्ली धारण करने वाले भगवान चित्रगुप्त आप लेखकों को अक्षर प्रदान करते हैं। इन धर्मग्रंथों में कहा गया है कि कायस्थों के अतिरिक्त अन्य जाति के लोग भी चित्रगुप्त जी की पूजन करते हैं तो इस पूजन से उन मनुष्यों की आयु बढ़ती है तथा उन्हें नरक के कष्ट नहीं भोगने पड़ते और वे स्वर्ग के अधिकारी होते हैं। यम द्वितीया का यह पर्व केवल कायस्थों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर उस व्यक्ति के लिए है जो अपने कर्मों के प्रति सजग रहना चाहता है और लेखनी, बही तथा अपने जीवन के हिसाब को शुद्ध रखना चाहता है। इस पर्व की मूल भावना कर्म, सत्य और जिम्मेदारी ही है। आज के दौर में जब पारदर्शिता और जवाबदेही की चर्चा हर क्षेत्र में हो रही है, चाहे वह राजनीति हो, प्रशासन हो या समाज, तब भगवान चित्रगुप्त की अवधारणा और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उनका संदेश स्पष्ट है कि हर कर्म का लेखा है और अंततः न्याय अवश्य होता है। यह विचार व्यक्ति को अपने आचरण के प्रति सजग बनाता है और समाज में नैतिकता को मजबूत करता है। चित्रगुप्त से जुड़े प्रमुख तीर्थों में तमिलनाडु स्थित कांचीपुरम का विशेष स्थान है। कांचीपुरम भारत के प्राचीनतम तीर्थ नगरों में एक है, जिसे मंदिरों की नगरी और मोक्षदायिनी सप्त पुरियों में से एक के रूप में माना जाता है। हिन्दू धर्म की विविध परम्पराओं के बीच यह नगर विशेष रूप से कायस्थ समुदाय के आराध्य देव भगवान चित्रगुप्त से जुड़े एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में भी प्रतिष्ठित है। कांचीपुरम पल्लव, चोल और अन्य दक्षिण भारतीय राजवंशों की राजधानी और आध्यात्मिक केंद्र रहा है।

कांचीपुरम के मध्य स्थित श्री चित्रगुप्त स्वामी मंदिर को न्याय के देवता और कायस्थों के आराध्य भगवान चित्रगुप्त का एक प्राचीन और प्रमुख मंदिर माना जाता है। उत्तर भारत के चित्रगुप्तवंशी कायस्थ समुदाय के लिए यह मंदिर विशेष महत्व रखता है, इसलिए अनेक कायस्थ इसे अपने प्रमुख तीर्थ या धाम के रूप में स्वीकार करते हैं और यहाँ दर्शन, संकल्प, नामकरण तथा अन्य धार्मिक संस्कार करवाने आते हैं। तमिल क्षेत्र की परम्पराओं में करणीगर या करुणीगर कायस्थ नाम से एक बड़े जातीय समूह का उल्लेख मिलता है, जिनकी उत्पत्ति और आस्था भगवान चित्रगुप्त से जुड़ी है। तमिल ग्रन्थों और पुराण परम्परा में इन करणीगर या कर्ण कायस्थों को वही वंश परम्परा समझा गया है, जिसे उत्तर भारत में बारह चित्रगुप्तवंशी कायस्थों के रूप में जाना जाता है। इसीलिए कांचीपुरम का चित्रगुप्त स्वामी मंदिर दक्षिण और उत्तर दोनों क्षेत्रों के कायस्थों के बीच एक साझा धार्मिक कड़ी के रूप में ऐतिहासिक महत्व रखता है। कांचीपुरम और कायस्थ समुदाय का संबंध मुख्य रूप से तीन स्तरों पर दिखाई देता है, पहला भगवान चित्रगुप्त के प्राचीन मंदिर की उपस्थिति, दूसरा चित्रगुप्त पूजा से जुड़ी करणीगर और कर्ण कायस्थ परम्परा तथा तीसरा उत्तर भारत के कायस्थों द्वारा इसे अपने प्रमुख तीर्थ स्थलों में स्थान देना। इसी परंपरा में महाकाल की नगरी उज्जैन का श्री चित्रगुप्त मंदिर भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। क्षिप्रा नदी के पवित्र तट रामघाट, अंकपात क्षेत्र में स्थित यह मंदिर उन विरले तीर्थों में गिना जाता है, जहाँ मृत्यु के बाद मिलने वाले न्याय, कर्मों के लेखा-जोखा और मोक्ष की परंपरा को महसूस किया जा सकता है। प्राचीन अवंति या उज्जयिनी की इस तपोभूमि को भगवान श्री चित्रगुप्त की साधना का स्थल माना जाता है, जहाँ उन्होंने तपस्या कर सर्वज्ञता और समस्त जीवों के कर्मों का लेखा रखने की दिव्य शक्ति प्राप्त की थी। मान्यता के अनुसार सृष्टि की रचना के समय भगवान ब्रह्मा ने दीर्घ तपस्या के दौरान अपने ही मन में अंकित एक दिव्य पुरुष की कल्पना की, वह चित्र मन के अंतरतम में गुप्त हो गया, इसी से चित्रगुप्त नाम की उत्पत्ति मानी जाती है। ब्रह्मा ने इस दिव्य पुरुष को आदेश दिया कि वे महाकाल की नगरी उज्जैन जाकर कठोर तपस्या करें और मानव कल्याण के लिए ऐसी शक्तियाँ अर्जित करें, जिनसे वे समस्त प्राणियों के पाप-पुण्य और कर्मों का सूक्ष्मतम लेखा रख सकें। लोक परंपरा में यही स्थान आगे चलकर श्री चित्रगुप्त धाम, धर्मराज चित्रगुप्त मंदिर के रूप में प्रतिष्ठित हुआ। उज्जैन का यह मंदिर उत्तर भारतीय नागर शैली की परंपरागत रचना लिए हुए है, जिसमें गर्भगृह, मंडप और ऊँचा शिखर प्रमुख रूप से दिखाई देते हैं। गर्भगृह में स्थापित भगवान चित्रगुप्त की मूर्ति शांत, गंभीर और न्यायमूर्ति भाव वाली प्रतिमा के रूप में है, जो भक्तों को अपने कर्मों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देती है। रामघाट स्थित धर्मराज श्री चित्रगुप्त मंदिर में यमराज, धर्मराज और यमुना के साथ चित्रगुप्त की संयुक्त उपासना की परंपरा भी मिलती है, जिससे यह स्थल मृत्यु, धर्म, पवित्रता और न्याय, इन चारों के अनूठे संगम के रूप में देखा जाता है। कथाओं के अनुसार उज्जैन के इसी क्षेत्र में भगवान चित्रगुप्त ने दीर्घकालीन तप कर वह दिव्य शक्ति पायी, जिसके बल पर वे यमलोक में प्रत्येक आत्मा के लोक-परलोक के कर्मों का खाता तैयार करते हैं। इसी कारण यहाँ आने वाले श्रद्धालु केवल पूजा ही नहीं, बल्कि आत्म-मंथन, अनुशासित जीवन और सत्यनिष्ठ आचरण का संकल्प भी करते हैं ताकि मृत्यु के बाद उनके पक्ष में उत्तम लेखा लिखा जाए। कायस्थ समाज इस मंदिर को कायस्थों के चार धाम के रूप में अग्रणी स्थान देता है और कार्तिक शुक्ल द्वितीया पर यहाँ विशेष अनुष्ठानों, लेखनी, बही की पूजा और सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक एकता को व्यक्त करता है। उज्जैन के धर्मराज चित्रगुप्त मंदिर से कई जीवंत लोककथाएँ भी जुड़ी हैं। एक प्रसिद्ध मान्यता यह है कि वनवास के बाद भगवान राम ने शिप्रा तट पर इसी क्षेत्र में आकर धर्मराज चित्रगुप्त की विशेष पूजा की और अपने पिता दशरथ सहित पूर्वजों का तर्पण कर पितृऋण से मुक्ति की प्रार्थना की थी। इसीलिए आज भी बहुत से लोग यह विश्वास लेकर आते हैं कि शिप्रा में स्नान और चित्रगुप्त मंदिर में विधिवत पूजा तर्पण से पितृदोष शांत होता है और पूर्वजों की आत्माओं को शांति प्राप्त होती है। आधुनिक समय में इस मंदिर की एक अत्यंत विशिष्ट लोकपरंपरा ने भी लोगों का ध्यान खींचा है। यहाँ ऐसे अनेक श्रद्धालु पहुँचते हैं जो असहनीय रोग, दीर्घकालीन पीड़ा या जीवन-मृत्यु के संघर्ष में उलझे अपने परिजनों के लिए चमत्कारिक स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करते हैं या फिर शांत, पीड़ामुक्त मृत्यु के रूप में मोक्ष का वरदान माँगते हैं।



मेष: नए सप्ताह की शुरुआत ऊर्जा और नई चुनौतियों के साथ होगी। व्यापार में गति आएगी, नया मुनाफा संभव है। माता-पिता का सहयोग और मार्गदर्शन मिलेगा। आर्थिक मामलों में सुधार होगा, रुका धन मिलेगा। सेहत अच्छी रहेगी, चुस्त-दुरुस्त रहेंगे।

वृषभ: दफ्तर में धैर्य बनाए रखें, कार्यों में प्रगति होगी। व्यापारिक फैसलों में जल्दबाजी न करें। जीवनसाथी के साथ तालमेल बेहतर बना रहेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलना हितकर रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, नियमित व्यायाम करें।

मिथुन: अधिकारियों से प्रोत्साहन मिलेगा, कार्य सुगम होंगे। नए व्यावसायिक अनुबंध होने की संभावना है। घर में खुशहाली रहेगी, अपनों का साथ मिलेगा। धन लाभ के अच्छे योग हैं, निवेश फलदायी होगा। शारीरिक ऊर्जा और स्फूर्ति बनी रहेगी।

कर्क: बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐसा कोई कार्य न करें जिससे बाद में पछताना पड़े।

सिंह: कोर्ट व कचहरी में लंबित कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा। सभी काम पूर्ण होंगे। जल्दबाजी न करें।

कन्या: रोजगार में वृद्धि तथा बेरोजगारी दूर होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। झंझटों से दूर रहें। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी।

तुला: किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृश्चिक: व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दुःखद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। बेवजह विवाद की स्थिति बन सकती है।

धनु: जल्दबाजी में कोई काम न करें। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। कुंआरों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी।

मकर: किसी भी निर्णय को लेने में जल्दबाजी न करें। भ्रम की स्थिति बन सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। थकान व कमजोरी महसूस होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

कुंभ: नई तकनीक का प्रयोग कार्य में गति और लाभ लाएगा। साझेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा, व्यापार बढ़ेगा। मित्रों और प्रियजनों के साथ मेल-जोल बढ़ेगा। आर्थिक लाभ के योग हैं, पुराने निवेश से लाभ होगा।

मीन: नई तकनीक का प्रयोग कार्य में गति और लाभ लाएगा। साझेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा, व्यापार बढ़ेगा। मित्रों और प्रियजनों के साथ मेल-जोल बढ़ेगा। आर्थिक लाभ के योग हैं, पुराने निवेश से लाभ होगा। स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा, योग को शामिल करें।

मुंबई में आग लगने की 137 घटनाओं के बाद MDMA का फैसला: BMC क्षेत्र की सभी सार्वजनिक और निजी जगहों पर लागू होगा आदेश

संवाददाता

मुंबई। दीपावली के दौरान आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी को देखते हुए मुंबई में रॉकेट और हवा में उड़ने वाले पटाखों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। मुंबई आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (MDMA) ने बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) की सीमा में इन पटाखों के उपयोग पर 25 नवंबर 2026 तक रोक लगाई है। रविवार को मुंबई में आग लगने की 137 घटनाएं सामने आने के बाद यह निर्णय लिया गया।



सोमवार को अतिरिक्त नगर आयुक्त एवं MDMA प्रमुख प्रजक्ता वर्मा-लवांगरे द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, रॉकेट और एरियल फायरवर्क्स छतों, बालकनियों, खिड़कियों तथा अन्य ज्वलनशील स्थानों पर गिरकर आग का कारण बन सकते हैं। प्रतिबंध 9 नवंबर से लागू होकर 25 नवंबर 2026 की रात 11:59 बजे तक प्रभावी रहेगा। यह BMC क्षेत्र की सभी सार्वजनिक और निजी जगहों पर लागू होगा। इसमें आवासीय परिसर, छतें, बालकनियां, आंगन, पार्किंग क्षेत्र और झुग्गी-बस्तियां भी शामिल हैं। आदेश में मुंबई के घने शहरी ढांचे को आग के खतरे के लिहाज से संवेदनशील बताया गया है। ऊंची इमारतें, घनी झुग्गी-बस्तियां, संकरी सड़कें और एक-दूसरे से सटी आवासीय एवं व्यावसायिक इमारतें आग की घटनाओं में जान-माल के नुकसान की आशंका बढ़ाती हैं। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि रॉकेट और हवा में उड़ने वाले पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा, जबकि अन्य पटाखों का इस्तेमाल मौजूदा कानूनों, सरकारी निर्देशों और न्यायालयों के आदेशों के दायरे में ही किया जा सकेगा। संबंधित विभागों को प्रतिबंध का व्यापक प्रचार करने और सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

खार पूर्व में बैजू डिपोज़ल में लगी आग, दुकान का सामान जलकर खाक

दिवाली की पूजा के बाद जलता दीपक छोड़कर दुकान बंद करने का मामला, आग लगने की वजह की जांच जारी

संवाददाता

मुंबई। दीपावली खुशियों और रोशनी का त्योहार है, लेकिन थोड़ी सी लापरवाही कभी-कभी भारी नुकसान का कारण बन जाती है। ऐसा ही एक मामला मुंबई के खार पूर्व में सामने आया, जहां दीपावली की रात करीब 2:45 बजे गोलीबार रोड, नियर कॉर्नर स्वीट स्थित बैजू डिपोज़ल की दुकान में आग लग गई।



आग की चपेट में आने से दुकान में रखा डिस्पोजेबल सामान जैसे- पेपर कप, पेपर प्लेट, प्लास्टिक या लकड़ी के चम्मच, बाउल और फॉयल कंटेनर की सामग्री जलकर खाक हो गई। निर्मल नगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अजय कुलकर्णी ने बताया कि दीपावली की पूजा के बाद दुकान में दीपक जलता हुआ रखा गया था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इसी दीपक से आग लगने की आशंका है। दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का अभियान चलाया और सुबह करीब 4:30 बजे आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। दुकान में बड़ी मात्रा में डिस्पोजेबल सामग्री रखी होने के कारण आग तेजी से फैल गई और पूरा सामान जलकर नष्ट हो गया। आग लगने के वास्तविक कारणों का पता दमकल विभाग की रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

लापरवाही पर उठे सवाल

इस घटना ने एक बार फिर दुकानों में दीपावली पूजा के बाद सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। डिस्पोजेबल सामग्री जैसी ज्वलनशील वस्तुओं का कारोबार करने वाले दुकानदारों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

हर साल त्योहारों के दौरान आग लगने की घटनाएं सामने आने के बावजूद जलते दीपक के साथ दुकान बंद कर जाना जोखिम भरा साबित हो रहा दिवाली की पूजा के बाद जलता दीपक छोड़कर दुकान बंद करने का मामला, आग लगने की वजह की जांच जारी है।

डोंबिवली में वांछित माओवादी को आश्रय और नौकरी कैसे मिली?

संवाददाता

डोंबिवली। वांछित माओवादी संजय यादव उर्फ बुधराम के डोंबिवली में रहने के मामले में पुलिस जांच तेज हो गई है। रामनगर पुलिस ने पशु बाड़े के मालिक अरविंद शेलार और कैंटीन संचालक राजेश सिंह से करीब पांच घंटे तक पूछताछ की। जांच का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि कथित माओवादी को ठाकुर्ली में आश्रय और रोजगार कैसे मिला तथा स्थानीय स्तर पर किसने उसकी मदद की। ठाणे आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने पहले ही मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है। पुलिस ने पूछताछ के दौरान आरोपियों से संजय यादव के संपर्क में आने, उसे काम पर रखने से पहले पहचान संबंधी दस्तावेजों की जांच करने, वेतन तय करने और उसके रहने के ठिकाने को लेकर सवाल किए। साथ ही उसके नियमित संपर्कों और ठाकुर्ली में रहने के दौरान किसी संदिग्ध गतिविधि की भी पड़ताल की जा रही है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, संजय यादव को एक ठेकेदार और कैंटीन संचालक के माध्यम से पशु बाड़े में नौकरी मिली थी। उसे कथित तौर पर हर महीने 12 से 15 हजार रुपये वेतन दिया जाता था। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि उसका रोजगार केवल आजीविका तक सीमित था या पशु बाड़े का इस्तेमाल किसी अन्य गतिविधि अथवा संपर्कों को छिपाने के लिए किया गया। संजय यादव को डोंबिवली लाने के आरोप में कपिल देव फिलहाल एटीएस की हिरासत में है। उससे पूछताछ के जरिए उस नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है, जिसने कथित माओवादी को क्षेत्र में रहने में मदद की। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक डॉ. अमरनाथ वाघमोडे के मुताबिक, गिरफ्तार माओवादी के संपर्कों और आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच की जा रही है। पशु बाड़े के मालिक, कैंटीन संचालक और ठेकेदार की भूमिका भी जांच के दायरे में है। पुलिस यह पता लगा रही है कि संबंधित लोगों ने संजय यादव को उसकी कथित माओवादी पहचान की जानकारी होने के बावजूद आश्रय दिया था या वे उसकी वास्तविक पहचान से अनजान थे। अधिकारियों के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद ही उनकी भूमिका स्पष्ट हो सकेगी।



गन्ना मजदूरों के परिवारों के साथ मंत्री जयकुमार गोरे ने मनाई दीपावली

सोनके में मजदूरों के पाल पर पहुंचे पालकमंत्री, बच्चों की शिक्षा के लिए उनके ठहरने के स्थान पर स्कूल शुरू करने की पहल

संवाददाता

पंढरपुर। महाराष्ट्र के ग्राम विकास एवं पंचायतराज मंत्री तथा सोलापुर के पालकमंत्री जयकुमार गोरे ने पंढरपुर तालुका के सोनके गांव में गन्ना कटाई मजदूरों के अस्थायी आवासों पर पहुंचकर उनके परिवारों के साथ दीपावली मनाई। इस दौरान उन्होंने मजदूरों के साथ फराल किया और उन्हें दीपावली की मिठाइयां व उपहार भेंट किए। वहीं, बच्चों को कपड़े वितरित किए गए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की ओर से महिलाओं को भाई दूज का उपहार भी दिया गया। मंत्री जयकुमार गोरे ने मजदूर परिवारों से संवाद कर उनकी समस्याओं और कठिनाइयों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गन्ना कटाई मजदूरों के बच्चे प्रतिकूल परिस्थितियों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। काम के सिलसिले में परिवारों के लगातार पलायन के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। इसे रोकने के लिए मजदूरों के रहने के स्थान पर ही स्कूल शुरू करने की व्यवस्था की जाएगी। मंत्री गोरे ने बताया कि इस संबंध में जिला परिषद सदस्यों से चर्चा कर स्थानीय स्तर पर स्कूल शुरू करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी, ताकि मजदूरों के बच्चों की शिक्षा में पलायन के कारण बाधा न आए। इस अवसर पर विधायक बाबासाहेब देशमुख, पूर्व विधायक दीपक आबा सालुंखे सहित विभिन्न अधिकारी और पदाधिकारी उपस्थित रहे।



बंजारा समाज को आरक्षण मिलना चाहिए, उनके बच्चे सिर्फ गन्ना काटने के लिए नहीं हैं: मनोज जरांगे पाटिल

पोहरादेवी के दर्शन के बाद बोले मनोज जरांगे पाटिल, समाज से नशा छोड़कर एकजुट रहने की अपील, अमृता फडणवीस और सुनेत्रा पवार को भेजेंगे भाई दूज का उपहार

संवाददाता

वाशिम। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल ने बंजारा समाज को आरक्षण देने की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि बंजारा समाज के बच्चों को भी उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या बंजारा और मराठा समाज के लोगों को केवल गन्ने के खेतों में मजदूरी ही करनी चाहिए? उन्होंने बंजारा समाज से अपने इतिहास को देखने और एकजुट होने की अपील की। मनोज जरांगे पाटिल ने वाशिम स्थित पोहरादेवी मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि बंजारा समाज की काशी में आकर दर्शन करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र प्रगति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। बंजारा समाज के लोगों को नशे से दूर रहकर एकजुटता बनाए रखनी चाहिए। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा लाडली बहनों के घर जाकर दीपावली मनाने के निर्णय पर जरांगे पाटिल ने कहा कि यह अच्छी बात है, लेकिन आरक्षण के अभाव में उनके समाज के युवा परेशान हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि आरक्षण के बिना मर रहे भांजों का क्या होगा?

गोकुल चुनाव और ऑडियो टेप पर भी रखी प्रतिक्रिया

गोकुल दूध संघ के चुनाव को लेकर जारी राजनीतिक विवाद पर मनोज जरांगे पाटिल ने कहा कि यह राजनीतिक मामला है और वह इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहते। हालांकि, उन्होंने कहा कि लोगों में काफी असंतोष है। 500 करोड़ रुपये के कथित ऑडियो टेप विवाद पर शिवसेना नेता रामदास कदम द्वारा भाजपा नेताओं पर लगाए गए आरोपों के संबंध में उन्होंने कहा कि यदि रामदास कदम के पास कोई सबूत हैं तो उन्हें सामने रखना चाहिए।

अमृता फडणवीस और सुनेत्रा पवार को भेजेंगे भाई दूज का उपहार



मनोज जरांगे पाटिल ने बताया कि आंदोलन के दौरान अमृता फडणवीस ने उन्हें अपना भाई बताते हुए घर पर भोजन के लिए आमंत्रित किया था। उस समय उन्होंने कहा था कि आंदोलन समाप्त होने के बाद भाई दूज पर साड़ी-चोली लेकर उनसे मिलने जाएंगे। इस संबंध में पूछे जाने पर जरांगे पाटिल ने कहा कि वह अपनी क्षमता के अनुसार सुनेत्रा ताई और अमृता ताई को भाई दूज का उपहार भेजेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें बुलावा नहीं मिला है, लेकिन वह अपनी ओर से उपहार जरूर भेजेंगे।

अजित पवार विमान हादसा: रोहित पवार का गंभीर आरोप बोले- सबूत हैं तो सामने लाएं, जांच की दिशा पर भी उठाए सवाल

संवाददाता

मुंबई। अजित पवार के विमान हादसे को लेकर महाराष्ट्र की सियासत में आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। सत्ताधारी शिंदे गुट के नेता रामदास कदम और विधायक महेंद्र थोरवे द्वारा सुनील तटकरे पर लगाए गए गंभीर आरोपों के बाद विधायक रोहित पवार ने कहा कि केवल नाम लेने से काम नहीं चलेगा, आरोपों के समर्थन में सबूत भी सामने लाने चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि कोई प्रमाण है तो वह अजित पवार को न्याय दिलाने में मददगार साबित हो सकता है। शरद पवार से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में रोहित पवार ने कहा कि अजित पवार के विमान हादसे के समय पूरा महाराष्ट्र शोक में था। उस दौरान अजित पवार की पार्टी के दो नेता लगातार राजनीतिक बयान दे रहे थे। उन्होंने सवाल किया कि क्या अब सत्ताधारी दल के नेताओं और विधायकों को इस मामले में कोई नई जानकारी मिली है, जिसके आधार पर वे आरोप लगा रहे हैं। रोहित पवार ने कहा कि महाराष्ट्र के लोगों के मन में अजित पवार के विमान हादसे को लेकर संदेह है। उन्होंने दावा किया कि 90 प्रतिशत से अधिक लोगों को यह हादसा नहीं, बल्कि साजिश लगता है। उन्होंने भी इसी तरह की आशंका व्यक्त की।

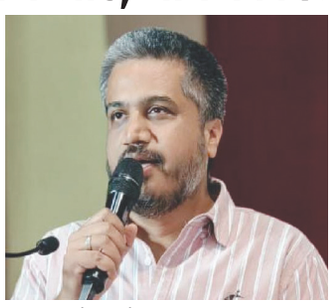

एफआईआर और जांच की गति पर सवाल

रोहित पवार ने आरोप लगाया कि अजित पवार की मौत की जांच अपेक्षित दिशा में नहीं हो रही है और इसकी गति धीमी है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र जैसे राज्य में यदि विमान हादसे को लेकर एफआईआर दर्ज नहीं हो रही है, तो इससे जिम्मेदार लोगों को बचाने की आशंका पैदा होती है। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोग संदेह दूर करने के बजाय जांच को लेकर स्पष्टता नहीं दे रहे हैं। रोहित पवार ने यह भी आशंका जताई कि कहीं सत्ताधारी पक्ष जानबूझकर मामले की जांच सही दिशा में आगे बढ़ने नहीं दे रहा है। हालांकि, ये उनके आरोप और आशंकाएं हैं।

14 या 15 नवंबर को पेश करेंगे महत्वपूर्ण प्रेजेंटेशन

रोहित पवार ने संकेत दिया कि दिवाली के बाद 14 या 15 नवंबर को वे लंबे समय से तैयार किए जा रहे एक महत्वपूर्ण प्रेजेंटेशन को मीडिया के सामने रखेंगे। उन्होंने कहा कि इसमें कुछ चौंकाने वाली बातें सामने आ सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उस समय वे मामले से जुड़े अपने पक्ष और जानकारी को सार्वजनिक करेंगे।

राष्ट्रवादी कांग्रेस के विलय पर बोले- हमारे दल में चर्चा नहीं

राष्ट्रवादी कांग्रेस के दोनों गुटों के विलय की चर्चा पर रोहित पवार ने कहा कि उनके दल में इस विषय पर कोई बातचीत नहीं हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र में भाजपा और सत्ताधारी दलों के खिलाफ जनता के मुद्दों तथा महाराष्ट्र धर्म के पक्ष में उन्होंने आवाज उठाई है, लेकिन विलय को लेकर उनसे किसी ने संपर्क नहीं किया। उन्होंने कहा कि विलय की चर्चा अजित पवार के गुट में चल रही है और मीडिया में भी इस विषय पर खबरें आ रही हैं, लेकिन उनके दल में ऐसी कोई चर्चा नहीं है।

जलसंपदा मंत्री गिरीश महाजन ने आदिवासी परिवारों के साथ मनाई दिवाली

संवाददाता

जलगांव। दिवाली खुशियों, उत्साह और आपसी स्नेह का पर्व है। समाज के हर वर्ग तक त्योहार की खुशियां पहुंचाने के उद्देश्य से महाराष्ट्र के जलसंपदा मंत्री गिरीश महाजन ने सोमवार को यावल तालुका के बोरमळी गांव में आदिवासी परिवारों के साथ सहपरिवार दिवाली मनाई। इस अवसर पर मंत्री महाजन ने आदिवासी बस्ती के भाई-बहनों को दिवाली फराल वितरित किया और उनके साथ स्नेहभोजन का आनंद लिया। उन्होंने ग्रामीणों से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी बातें सुनीं और त्योहार की शुभकामनाएं दीं। मंत्री महाजन के इस दौरे से गांव में उत्साह और आनंद का माहौल रहा। फराल वितरण के माध्यम से उन्होंने त्योहार की खुशियां साझा करने के साथ सामाजिक जुड़ाव और आपसी अपनत्व का संदेश दिया। समाज के प्रत्येक वर्ग को त्योहारों का आनंद मिले तथा सभी के जीवन में सुख, संतोष और समृद्धि आए, इसी भावना के साथ यह आयोजन किया गया।



किलों पर प्रमाणित इतिहास बताने वाले प्रशिक्षित गाइड नियुक्त हों: राज ठाकरे

ऐतिहासिक तथ्यों और लोककथाओं में अंतर जरूरी, महाराष्ट्र के किलों के लिए स्थायी प्रदर्शनी बनाने का प्रस्ताव

संवाददाता

पुणे। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने राज्य के ऐतिहासिक किलों पर विशेषज्ञों द्वारा चयनित प्रशिक्षित गाइड नियुक्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पर्यटकों को किलों का प्रमाणित इतिहास बताया जाना चाहिए, न कि लोककथाओं और मिथकों को ऐतिहासिक तथ्य के रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। ठाकरे ने महाराष्ट्र के किलों को समर्पित अलग-अलग गैलरी के साथ एक स्थायी ऐतिहासिक प्रदर्शनी स्थापित करने का प्रस्ताव भी रखा। सोमवार को पुणे के रमनबाग स्थित न्यू इंग्लिश स्कूल में 'समरभूमि – फोर्ट पन्हाळा' लाइट एंड साउंड शो के उद्घाटन अवसर पर ठाकरे ने कहा कि ऐतिहासिक स्थलों पर गाइडों की नियुक्ति विशेषज्ञों और सरकारी अधिकारियों के चयन के आधार पर होनी चाहिए। केवल इतिहास से जुड़ी कहानियां सुनाने की क्षमता के आधार पर किसी को गाइड बनने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रमाणित इतिहास और लोककथाओं के बीच अंतर स्पष्ट होना जरूरी है, अन्यथा पर्यटकों तक गलत जानकारी पहुंच सकती है। इतिहासकार एवं लेखक बाबासाहेब पुरंदरे का उल्लेख करते हुए ठाकरे ने कहा कि किसी को भी इतिहास पर पूर्ण अधिकार होने का दावा नहीं करना चाहिए। नए दस्तावेजों और शोध के आधार पर ऐतिहासिक घटनाओं की समझ में बदलाव संभव है।

लोककथा और प्रमाणित इतिहास अलग-अलग

राज ठाकरे ने एक प्रचलित कथा का उदाहरण दिया, जिसमें बताया जाता है कि एक किले में करीब 200-250 मराठा सैनिक मुगल सेना की घेराबंदी में फंस गए थे। बाहर लगभग 3,000-4,000 मुगल सैनिक मौजूद थे। कथा के अनुसार, किले की एक बुजुर्ग महिला ने सैनिकों के साथ मिलकर चावल-दाल की हजारों थालियां तैयार कीं और उन्हें नीचे मुगल सेना की ओर फेंक दिया। इससे मुगलों को किले में बड़ी सेना होने का भ्रम हुआ और उन्होंने घेराबंदी हटा ली। ठाकरे ने स्पष्ट किया कि यह एक लोककथा है, प्रमाणित इतिहास नहीं। उन्होंने कहा कि ऐसी कहानियां मनोरंजक होने के साथ कठिन परिस्थितियों से निपटने की प्रेरणा दे सकती हैं, लेकिन इतिहास को तथ्यों और दस्तावेजों के आधार पर समझना चाहिए।

शिवाजी महाराज को याद करना केवल मूर्तियों तक सीमित न रहे

ठाकरे ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज जैसे महान ऐतिहासिक व्यक्तित्वों को याद करने का अर्थ केवल उनकी मूर्तियां स्थापित करना या जयंती-पुण्यतिथि मनाना नहीं होना चाहिए। उनके विचारों और शिक्षाओं को समाज के व्यवहार में उतारना जरूरी है। बाबासाहेब पुरंदरे के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए उन्होंने ब्रिटेन की ऐतिहासिक हस्तियों को वहां के लोगों की सामूहिक चेतना का हिस्सा बताया। ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में भी शिवाजी महाराज के विचारों को आत्मसात कर उनके आदर्शों के अनुरूप राज्य को आगे ले जाना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।



किलों के लिए स्थायी प्रदर्शनी बनाने का सुझाव

राज ठाकरे ने महाराष्ट्र के किलों के इतिहास को व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत करने के लिए एक स्थायी प्रदर्शनी बनाने का प्रस्ताव रखा। इसमें प्रत्येक किले के लिए अलग गैलरी हो, जहां पर्यटक उसके इतिहास, महत्व और घटनाओं को समझ सकें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ चर्चा कर इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने रायगढ़ सहित कुछ किलों में रात के समय प्रवेश पर लगी पाबंदियों की समीक्षा करने का सुझाव भी दिया, ताकि पर्यटक ऐतिहासिक स्थलों को अधिक समय तक देख सकें।

'समरभूमि – फोर्ट पन्हाळा' प्रस्तुति का आयोजन 'रमनबाग युवा मंच ढोल-ताशा पथक' और 'गोष्ट इथे संपत नाही' ने किया है। करीब 20 मिनट के लाइट एंड साउंड शो में पन्हाला किले की ऐतिहासिक घटनाओं को दर्शाया गया है। इसमें सिद्दी जौहर की घेराबंदी, छत्रपति शिवाजी महाराज का विशालगढ़ की ओर प्रस्थान तथा बाजी प्रभु देशपांडे, शिवा काशीद और बांदल मावलों के बलिदान को प्रस्तुत किया गया है। ठाकरे ने प्रस्तुति के आयोजकों और पूरी टीम के प्रयासों की सराहना की।

KDMC में नामांकित पार्षदों की नियुक्ति 10 महीने से अटकी उद्धव सेना ने ढोल-ताशे बजाकर किया प्रदर्शन

संवाददाता

ठाणे। कल्याण-डोंबिवली नगर निगम (KDMC) में नामांकित पार्षदों की नियुक्तियों में हो रही देरी को लेकर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट ने सोमवार, 9 नवंबर को नगर निगम मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने मुख्य प्रवेश द्वार पर पारंपरिक ढोल-ताशे बजाकर प्रशासन का ध्यान लंबित नियुक्तियों की ओर खींचा। उद्धव सेना ने नगर निगम प्रशासन और सत्ताधारी पक्ष पर जानबूझकर नियुक्तियों को टालने का आरोप लगाया है। जनवरी 2026 में हुए नगर निगम चुनावों के करीब 10 महीने बाद भी नामांकित पार्षदों की नियुक्तियां नहीं होने से प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। पार्टी का कहना है कि उल्हासनगर और भिवंडी जैसे पड़ोसी नगर निगमों में नियुक्तियां पूरी हो चुकी हैं, लेकिन KDMC में अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।



आवेदन और रिमाइंडर के बाद भी कार्रवाई नहीं

उद्धव सेना के समूह नेता उमेश बोरगांवकर ने बताया कि उनके गुट ने 24 सितंबर को नगर निगम प्रशासन को लिखित आवेदन दिया था। इसके बाद 2 नवंबर को रिमाइंडर भी भेजा गया, लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। उन्होंने बताया कि प्रशासन ने 5 नवंबर को पत्र जारी कर नगर आयुक्त कार्यालय में सर्वदलीय बैठक बुलाने का आश्वासन दिया था। हालांकि, अब तक बैठक या नियुक्तियों को लेकर कोई तारीख घोषित नहीं की गई है।

चुनाव परिणाम के एक महीने में नियुक्ति का नियम

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे उद्धव सेना के पार्षद संकेश भोईर ने कहा कि नगर निगम के नियमों के अनुसार चुनाव परिणाम घोषित होने के एक महीने के भीतर नामांकित सदस्यों की नियुक्ति होनी चाहिए। इसके बावजूद नियुक्तियां लंबित हैं। उन्होंने प्रशासन पर बार-बार मांग किए जाने के बाद भी उदासीन रवैया अपनाने का आरोप लगाया। पार्टी ने जल्द नियुक्तियां पूरी करने की मांग की है।

Karnataka CM To Review Bda Projects, Decision Likely On 15000 Pending Sale Deeds

KERALAM: Karnataka Chief Minister D.K. Shivakumar is scheduled to review the functioning and progress of major projects undertaken by the Bangalore Development Authority (BDA) on Monday, with crucial decisions expected on pending property registrations, regularisation of unauthorised residential buildings and key infrastructure projects. One of the major issues likely to dominate the meeting is the failure of more than 15,000 BDA plot allottees to complete the registration of absolute sale deeds despite the expiry of their lease periods. Under the existing system, BDA residential plots are generally allotted on a 10-year lease, after which beneficiaries must submit the prescribed documents to obtain absolute sale deeds establishing full ownership.

Officials have identified over 15,000 beneficiaries who have not completed the process even after their lease periods ended. The government is



reportedly considering organising a special registration drive to facilitate the completion of pending sale deeds. A decision on granting the necessary administrative approvals is expected during the review.

Another significant issue concerns the regularisation of residential properties constructed on land acquired by the BDA. Several economically weaker households have sought government intervention to regularise their houses under Section 38(D) of the BDA Act.

The provision allows consideration of eligible residential constructions on acquired land, subject to prescribed conditions and payment of applicable fees. However, properties situated on lakebeds, stormwater drains, roads and land beneath high-tension electricity lines are excluded from regularisation.

The government may also examine whether additional time should be granted to eligible applicants before the BDA initiates action against unauthorised occupations. Major infrastructure proposals, including the Peripheral Ring Road and proposed tunnel connectivity between congested junctions such as Mekhri Circle and Hebbal, are also expected to figure in the discussions. The review is likely to determine the government's immediate priorities for Bengaluru's urban development and infrastructure expansion.

Sports Minister Reviews Preparations for U20 Asia Rugby Championship

BHUBANESWAR: Odisha Sports and Youth Services Minister Suryabanshi Suraj on Monday reviewed preparations for the Asia Rugby Emirates U20 Sevens Championship 2026, scheduled to be held at Kalinga Stadium in Bhubaneswar on November 14 and 15. The two-day international championship will feature 17 teams, including 10 men's and seven women's teams, from 10 countries — India, Hong Kong China, Uzbekistan, Chinese Taipei, Nepal, Sri Lanka, Malaysia, Thailand, Singapore and Jordan. Eight players from Odisha have been selected for the Indian U20 squads. Bharat Kisan, Vidyadhar Majhi, Charan Hembram, Rahul Majhi and Subash Hansda will represent the men's team, while Mamali Singh, Anita Murmu and Sumitra Murmu have made it to the women's squad.

During the review meeting, the Minister directed officials to ensure proper arrangements for the teams' arrival, accommodation, transportation and hospitality. He also emphasised adequate security, drinking water, sanitation, uninterrupted power supply and fire safety at the venue. Describing the hosting of the championship as



a matter of pride for Odisha, Suraj said the state had already hosted three national-level rugby championships at Kalinga Stadium this year.

The international event would further strengthen Odisha's position on the global sporting map and encourage young players to take up rugby, he added. Commissioner-cum-Secretary of the Sports and Youth Services Department Bhupendra Singh Poonia, Police Commissioner Suresh Dev Datta Singh, BMC Commissioner Chanchal Rana, Sports Director Yeddula Vijay and other senior officials attended the meeting.

Delhi Government Notifies New Law to Improve Public Service Delivery

NEW DELHI: The Delhi Government has notified the 'Delhi (Right of Citizen to Time Bound and Ease of Delivery of Services) Act, 2026', aimed at ensuring the timely delivery of public services and fixing accountability on officials responsible for unnecessary delays. The new legislation seeks to replace the existing time-bound service delivery framework introduced in 2011 with a more modern and accountable system. Chief Minister Rekha Gupta said on Monday that the new law would grant citizens a statutory right to receive government services within prescribed time limits. The government will specify, through notifications, the services covered under the Act and the maximum time allowed for delivering each service. A designated officer will be made responsible for providing every notified service within the stipulated period. Relevant departments, local bodies and notified institutions may also be brought within the ambit of the legislation. She said the framework would make it easier to fix responsibility whenever an application remains pending. Citizens would no longer have to wait indefinitely for government services, as they would be able to ascertain which officer is responsible for processing their application and the deadline by which the service must be delivered.

The Chief Minister said the Act provides



for online applications and digital monitoring of government services. Every application will be assigned a unique identification number, enabling applicants to track its status online. The concerned departments will be required to maintain digital records of all applications and regularly update their status.Once an application is received, the designated officer will be responsible for either delivering the service within the prescribed time limit or communicating the reasons for rejecting the application in writing. This will spare citizens the inconvenience of repeatedly visiting government offices merely to enquire about the progress of their applications. It will also enable departments to monitor pending cases more effectively. CM Gupta said one of the key provisions of the legislation was the system of automatic escalation of appeals. If a designated officer fails to provide a service within the stipulated time, the original application itself will automatically be treated as an appeal before the Citizen Grievance Redressal Authority. Citizens will not be required to file a separate appeal merely because of the delay. Each department will appoint a senior officer, at least one or two levels above the designated officer, as the Citizen Grievance Redressal Authority. The authority will hear the matter, direct the delivery of the required service wherever necessary and determine responsibility for the delay. She said appeals would ordinarily have to be decided within 30 days. If the authority fails to dispose of an appeal within the prescribed period, the matter will automatically be escalated to the Delhi Right to Service Commission.

उत्तर प्रदेशात कारला आग लागून 6 जणांचा होरपळून मृत्यू

लखनऊः हरियाणातून हरिद्वार येथे गंगास्नानासाठी निघालेल्या सहा तरुणांचा भीषण अपघातात दुर्दैवी मृत्यू झाला. उत्तर प्रदेशातील मुजफ्फरनगर येथे पानीपत-खटीमा महामार्गावर भरधाव कार दुभाजकाला धडकून उलटली. त्यानंतर कारने अचानक पेट घेतल्याने आतील सहाही तरुणांचा जिवंत जळून मृत्यू झाला. सोमवारी सकाळी घडलेल्या या हृदयद्रावक घटनेमुळे परिसरात मोठी खळबळ उडाली आहे.

मिळालेल्या माहितीनुसार, शामलीच्या दिशेने एक कार भरधाव वेगाने मुजफ्फरनगरकडे येत होती. तितावी पोलीस ठाण्याच्या हद्दीतील जागाहेडी पुलाजवळ चालकाचे कारवरील नियंत्रण सुटले. त्यामुळे कार रस्त्याच्या दुभाजकाला जोरदार धडकली आणि दुसऱ्या बाजूच्या रस्त्यावर जाऊन उलटली. या कारमध्ये सीएनजी गॅस किट बसवण्यात आले होते. अपघातानंतर काही क्षणांतच कारने पेट घेतला आणि आगीने भीषण रूप धारण केले. कारमधील तरुणांना बाहेर पडण्याची संधीही मिळाली नाही. अपघात पाहणाऱ्या नागरिकांनी तातडीने ११२ क्रमांकावर पोलिसांना माहिती दिली. त्यानंतर पोलीस आणि अग्निशमन दलाचे पथक घटनास्थळी दाखल झाले. अग्निशमन दलाच्या जवानांनी प्रयत्नांची शर्थ करून कारला लागलेली आग विझवली. मात्र, तोपर्यंत कारमधील सहाही जणांचा होरपळून मृत्यू झाला होता. तितावी पोलीस ठाण्याचे प्रभारी जयवीर सिंह यांनी दिलेल्या माहितीनुसार, मृत सर्व तरुण हरियाणातील रहिवासी होते. या अपघातात मृत्युमुखी पडलेल्यांमध्ये राखी खास गावातील २३ वर्षीय अंकित, २२ वर्षीय साहिल, २० वर्षीय अंकित आणि २४ वर्षीय राहुल या दोघा भावांचा समावेश असल्याची माहिती आहे. तसेच मोठ गावातील २३ वर्षीय अमन आणि मोड गावातील २२ वर्षीय अंकित यांचाही मृत्यू झाला आहे. सर्वजण हरियाणातील हांसी जिल्ह्यातील नारनौल पोलीस ठाण्याच्या हद्दीतील रहिवासी असल्याचे सांगण्यात आले. दरम्यान, अपघाताची माहिती मिळताच मृत तरुणांचे नातेवाईक घटनास्थळी पोहोचले. हे सर्व तरुण हरिद्वार येथे गंगास्नानासाठी जात असल्याचे नातेवाइकांनी सांगितले.

दिवाळीतील फटाक्यांमुळे दिल्लीतील हवेची गुणवत्ता खालावली, अनेक भागांत एक्यूआय ४०० च्या वर

नवी दिल्लीः दिवाळीच्या दुसऱ्याच दिवशी देशाची राजधानी दिल्लीतील हवेची गुणवत्ता झपाट्याने खालावली आहे. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडळाच्या (सीपीसीबी) सोमवारी सकाळच्या आकडेवारीनुसार, दिल्लीतील अनेक भागांमध्ये वायू गुणवत्ता निर्देशांक (एक्यूआय) ४०० च्या पुढे गेल्याने हवेचा दर्जा गंभीर श्रेणीत पोहोचला आहे.सणानंतर वाढलेल्या प्रदूषणामुळे शहरातील बहुतांश भागांमध्ये सकाळपासूनच धुरक्याची दाट चादर पसरली होती. त्यामुळे दृश्यमानता अत्यंत कमी झाली असून, नागरिकांना श्वास घेण्यास त्रास सहन करावा लागत आहे. सीपीसीबीच्या आकडेवारीनुसार, गाझीपूरमध्ये एक्यूआय ४१८ नोंदवण्यात आला असून, हा गंभीर श्रेणीत येतो. तर अक्षरधाम परिसरात एक्यूआय ३३७ नोंदवण्यात आला असून, हवेची गुणवत्ता अतिशय खराब श्रेणीत आहे. शहरातील अनेक प्रदूषण निरीक्षण केंद्रांवर एक्यूआय ४०० च्या पुढे नोंदवण्यात आला. यामध्ये बुराडी क्रॉसिंग येथे सर्वाधिक ४४१ एक्यूआयची नोंद झाली. त्यानंतर विवेक विहारमध्ये ४३७, दिल्ली तंत्रज्ञान विद्यापीठ (डीटीयू) परिसरात ४३४, दिल्ली विद्यापीठाच्या नॉर्थ कॅम्पस आणि जहांगीरपुरी येथे प्रत्येकी ४३३, तर रोहिणीमध्ये ४३० एक्यूआय नोंदवण्यात आला. गंभीर प्रदूषणाची नोंद झालेल्या इतर भागांमध्ये मुंडका (४१७), पंजाबी बाग (४०९), नरेला (४०७) आणि आयटीओ (४०७) यांचा समावेश आहे. याशिवाय मथुरा रोडवर ३९६, आया नगरमध्ये ३८६, तालकटोरा गार्डनमध्ये ३८४, लोधी



रोडवर ३७०, वजीरपूरमध्ये ३६५, आर. के. पुरममध्ये ३६४, नजफगडमध्ये ३४० आणि आनंद विहारमध्ये ३३५ एक्यूआय नोंदवण्यात आला. या सर्व भागांतील हवेची गुणवत्ता अतिशय खराब श्रेणीत कायम आहे. प्रदूषणाची पातळी आणखी खालावण्याची शक्यता लक्षात घेऊन वायू गुणवत्ता व्यवस्थापन आयोगाने (सीएक्यूएम) दिवाळीच्या तीन दिवस आधीच, शुक्रवारी संपूर्ण दिल्ली-एनसीआर परिसरात श्रेणीबद्ध प्रतिसाद कृती आराखड्याचा (ग्रॅप) तिसरा टप्पा लागू केला होता. या आपत्कालीन आराखड्यांतर्गत दिल्लीसह हरियाणा, उत्तर प्रदेश आणि राजस्थानमधील एनसीआर क्षेत्रात समाविष्ट असलेल्या जिल्ह्यांमध्ये अतिरिक्त निर्बंध लागू करण्यात आले आहेत. भारतीय हवामान विभाग (आयएमडी) आणि भारतीय उष्णकटिबंधीय हवामानशास्त्र संस्थेच्या (आयआयटीएम) हवामान व प्रदूषणविषयक अंदाजांच्या आधारे हे निर्बंध खबरदारीचा उपाय म्हणून आधीच लागू करण्यात आले होते.

सौदी-हुती संघर्ष पुन्हा पेटला, रियाधसह तेल प्रकल्पांना लक्ष्य

रियाधः सौदी अरेबियाची राजधानी रियाधमध्ये अनेक जोरदार स्फोटांचे आवाज ऐकू आले. देशाच्या नागरी संरक्षण विभागाने संभाव्य धोक्याबाबत सतर्कतेचा इशारा जारी केल्यानंतर काही वेळातच हे स्फोट झाले. वृत्तसंस्थाच्या वृत्तानुसार, शहरातील वित्तीय जिल्ह्यात तेल कंपनी सौदी अरामकोशी संबंधित एका इमारतीचे नुकसान झाले आहे. दरम्यान, सौदीच्या नेतृत्वाखालील लष्करी आघाडीने रियाध आणि दक्षिणेकडील भागाच्या दिशेने डागण्यात आलेल्या दोन क्रूझ क्षेपणास्त्रांसह एकूण चार हुती क्षेपणास्त्रे हवेतच नष्ट केल्याचा दावा केला आहे. येमेनमधील इराणसमर्थित हुती बंडखोरांनी रियाधमधील किंग खालिद आंतरराष्ट्रीय विमानतळ आणि तेल प्रकल्पांवर क्षेपणास्त्रे व ड्रोनद्वारे केलेल्या हल्ल्यांची जबाबदारी स्वीकारली आहे. हुतींचे लष्करी प्रवक्ते याह्या सारी यांनी दावा केला की, बॅलिस्टिक क्षेपणास्त्रे, क्रूझ क्षेपणास्त्रे आणि ड्रोनचा वापर करून सौदी अरेबियातील महत्त्वाच्या सामरिक आणि लष्करी ठिकाणांना



लक्ष्य करत सहा लष्करी मोहिमा राबवण्यात आल्या. येमेनविरोधात सौदी अरेबियाकडून करण्यात येणाऱ्या लष्करी कारवायांना प्रत्युत्तर म्हणून हे हल्ले करण्यात आल्याचे सारी यांनी सांगितले. हुती प्रवक्त्यांच्या माहितीनुसार, पहिल्या मोहिमेत रियाधमधील किंग खालिद आंतरराष्ट्रीय विमानतळ, तेल साठवणुकीच्या टाक्या आणि अरामकोच्या डिस्टिलेशन टॉवरला लक्ष्य करण्यात आले. दुसरा हल्ला खुरैस येथील अरामकोच्या ठिकाणांवर, तर तिसरा हल्ला दवादमी परिसरातील पंपिंग स्टेशन क्रमांक आठवर करण्यात आला. चौथ्या मोहिमेत नजरान येथील नॅशनल गार्ड छावणीतील सौदी लष्करी तुकड्यांना, पाचव्या मोहिमेत अल-जौफच्या पूर्वेकडील भागाला, तर सहाव्या मोहिमेत मारिब येथील सौदी लष्कराच्या तळांना लक्ष्य केल्याचा दावा करण्यात आला आहे.

एनव्हिडियाच्या सीईओचे चिनी गुप्तहेर महिलेशी कथीत संबंध

वॉशिंग्टनः जगातील आघाडीची कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआय) चिप उत्पादक कंपनी एनव्हिडियाचे संस्थापक आणि मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेन्सेन हुआंग एका गंभीर वादाच्या केंद्रस्थानी आले आहेत. चीनच्या कथित गुप्तचर यंत्रणेशी संबंधित असल्याचा संशय असलेल्या सिंगापूरस्थित व्यावसायिक महिला एलिस हुआंग हिच्याशी त्यांचे जवळचे, तसेच प्रेमसंबंध असल्याचे वृत्त समोर आले आहे. या पार्श्वभूमीवर जेन्सेन हुआंग यांनी पत्नीशी प्रतारणा केल्याची कबुली देत कंपनीच्या कर्मचाऱ्यांची आणि कुटुंबीयांची माफी मागितली आहे. दरम्यान, या प्रकरणातील संभाव्य राष्ट्रीय सुरक्षा आणि कंपनीच्या गोपनीय तंत्रज्ञानविषयक माहितीच्या सुरक्षेच्या दृष्टीने एनव्हिडियाच्या संचालक मंडळाने स्वतंत्र चौकशी सुरू केली आहे. अमेरिकेतील माध्यमांच्या वृत्तानुसार, एलिस हुआंग ही सिंगापूरस्थित मेगास्पीड (Megaspeed) या डेटा सेंटर आणि तंत्रज्ञान क्षेत्रातील कंपनीत वरिष्ठ पदावर कार्यरत होती. अमेरिकेच्या गुप्तचर यंत्रणांना ती चीनच्या गुप्तचर यंत्रणेशी संबंधित असल्याचा संशय होता. तिने जेन्सेन हुआंग यांच्याशी जवळचे संबंध प्रस्थापित करून एनव्हिडियाच्या व्यावसायिक योजना, अत्याधुनिक एआय चिप्स आणि महत्त्वपूर्ण माहिती मिळवण्याचा प्रयत्न केल्याचा आरोप आहे. या माहितीचा वापर चीनच्या हितासाठी करण्यात आल्याची शक्यता तपासली जात आहे. मात्र, हे आरोप अद्याप स्वतंत्र चौकशीत सिद्ध झालेले नाहीत. या प्रकरणानंतर जेन्सेन हुआंग यांनी ८ नोव्हेंबर रोजी एनव्हिडियाच्या



कर्मचाऱ्यांना ई-मेल पाठवला. त्यामध्ये त्यांनी पत्नीशी प्रतारणा केल्याचे स्पष्टपणे मान्य केले. आपल्या वैयक्तिक कृतीमुळे पत्नी आणि मुलांना मोठा मानसिक त्रास झाल्याचे त्यांनी नमूद केले. 'मी माझ्या पत्नीशी प्रतारणा केली. माझ्या कृतीमुळे तिला आणि मुलांना वेदना झाल्या. माझ्या वर्तनाचे कोणतेही समर्थन होऊ शकत नाही. मी केलेल्या चुकीची संपूर्ण जबाबदारी स्वीकारतो आणि मनापासून माफी मागतो,' अशा आशयाचे निवेदन त्यांनी केले. कुटुंबीयांनी आयुष्यभर दिलेल्या प्रेमाचा आणि पाठिंब्याचा आपण आदर राखू शकलो नाही, याची खंतही त्यांनी व्यक्त केली. एनव्हिडियातील सहकारी, संचालक मंडळ, भागीदार आणि गुंतवणूकदार यांच्याप्रतीही त्यांनी दिलगिरी व्यक्त केली. कंपनीचे नेतृत्व करण्याची संधी ही आपल्यासाठी मोठी जबाबदारी असल्याचे सांगत पुन्हा विश्वास संपादन करण्यासाठी प्रयत्न करणार असल्याचे त्यांनी स्पष्ट केले. या संपूर्ण प्रकरणाची गंभीर दखल घेत एनव्हिडियाच्या संचालक मंडळाने ८ नोव्हेंबर रोजी अधिकृत निवेदन प्रसिद्ध केले. त्यानुसार, कंपनीचे संस्थापक आणि सीईओ परदेशी गुप्तचर यंत्रणेच्या संभाव्य कारवाईचे लक्ष्य ठरले होते का, याची स्वतंत्र चौकशी करण्यात येणार आहे. या चौकशीवर स्वतंत्र संचालकांची समिती देखरेख करणार असून बाह्य कायदेतज्ज्ञांची मदत घेतली जाणार आहे. कंपनीच्या गोपनीय माहितीची गळती झाली आहे का, तसेच अमेरिकेच्या राष्ट्रीय सुरक्षेशी संबंधित कोणतीही संवेदनशील माहिती परदेशी यंत्रणांपर्यंत पोहोचली आहे का, याची तपासणी केली जाणार आहे. विशेष म्हणजे, संचालक मंडळाने आतापर्यंत उपलब्ध असलेल्या माहितीनुसार अमेरिकेच्या राष्ट्रीय सुरक्षेशी किंवा एनव्हिडियाच्या गोपनीय माहितीशी तडजोड झाल्याचे कोणतेही संकेत नसल्याचे स्पष्ट केले आहे.

सुहाना की रील पर शाहरुख का मजेदार अंदाज, पूछा- बोल कैसे याद रहते हैं?



शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान इन दिनों अपनी एक सोशल मीडिया रील को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने अपने पिता की आगामी फिल्म 'किंग' के गाने 'तू मिल जाए' पर एक ट्रांजिशन वीडियो शेयर किया है। इसमें सुहाना पहले मेकअप लुक में दिखाई देती हैं और फिर कुछ ही पलों में इवेंट के लिए तैयार ग्लैमरस अंदाज में नजर आने लगती हैं।

वीडियो में सुहाना ने गाने के उस हिस्से पर लिप-सिंक किया है, जिसमें एड शीरन की तेज रफ्तार गायकी सुनाई देती है। उनका यह अंदाज फैंस को पसंद आया, लेकिन सबसे खास प्रतिक्रिया उनके पिता शाहरुख खान की रही। सुहाना की पोस्ट पर कमेंट करते हुए शाहरुख ने लिखा, 'तुम्हें बोल कैसे याद रहते हैं। मेरे लिए तो यह बहुत मुश्किल था क्योंकि एड बहुत तेज गाते हैं।' पिता का यह मजेदार कमेंट सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रहा है। सुहाना की करीबी दोस्त और अभिनेत्री अनन्या पांडे ने भी वीडियो की तारीफ की। उन्होंने लिखा, 'मैंने अपनी जिंदगी में इससे प्यारी चीज कभी नहीं देखी।' वहीं, ओरहान अवत्रामणि यानी ओरी ने मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'आखिरकार। एक रील।'

दरअसल, यह रील फिल्म 'किंग' के पहले गाने 'तू मिल जाए' के रिलीज होने के बाद सामने आई है। यह गाना 2 नवंबर को शाहरुख खान के 61वें जन्मदिन के मौके पर जारी किया गया था। इसमें शाहरुख के साथ दीपिका पादुकोण नजर आ रही हैं। गाने को अरिजीत सिंह, एड शीरन और मधुबंती बागची ने अपनी आवाज दी है। इसका संगीत सचिन-जिगर ने तैयार किया है, जबकि बोल कुमार ने लिखे हैं। गाने में एड शीरन का लिखा अंग्रेजी रैप भी शामिल है। इस गाने की एक खास वजह शाहरुख और दीपिका की जोड़ी भी है।

दीपावली पर पिता को याद कर भावुक हुए हिमेश रेशमिया



इन दिनों हिमेश रेशमिया सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल लेजेंड्स रिटर्न' में जज की भूमिका निभा रहे हैं। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि पिता से मिली सीख आज भी उनके जीवन और संगीत से जुड़े फैसलों में अहम भूमिका निभाती है। हिमेश ने कहा कि उनके पिता ने उन्हें लगातार सीखते रहने और अपने जुनून को पूरी मेहनत तथा समर्पण के साथ आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि पिता का आशीर्वाद और उनकी शिक्षाएं हमेशा उनके रास्ते को रोशन करती रहेंगी।

हिमेश रेशमिया ने दीपावली के महत्व पर बात करते हुए कहा कि यह त्योहार रोशनी, उम्मीद, आभार और नई शुरुआत का प्रतीक है। उनके मुताबिक, संगीत की खूबसूरती भी कुछ ऐसी ही है।

संगीत लोगों को आपस में जोड़ता है और पुरानी यादों को फिर से जीवंत कर देता है। उन्होंने कहा कि कई बार कोई गाना ऐसी यादें ताजा कर देता है, जो जिंदगीभर हमारे साथ रहती हैं। यही वजह है कि संगीत और दीपावली दोनों लोगों के जीवन में खुशियां और सकारात्मकता लाने का काम करते हैं। इस साल त्योहारों का मौसम हिमेश के लिए पेशेवर तौर पर भी काफी खास रहा है। उन्होंने बताया कि उनके गानों 'ये प्रेम मोल लिया' और 'गनमास्टर जी9' के संगीत को दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला है। इन दोनों प्रोजेक्ट्स के गानों ने कम समय में सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिलाकर 500 मिलियन से ज्यादा व्यूज हासिल किए हैं।

इसके साथ ही 'इंडियन आइडल लेजेंड्स रिटर्न' की सफलता ने उनकी खुशी को और बढ़ा दिया है। हिमेश ने इस उपलब्धि के लिए भगवान और अपने प्रशंसकों का आभार जताया। अपने प्रशंसकों के बीच 'हिट मशीन एचआर' के नाम से मशहूर हिमेश ने कहा कि वह खुद को खुशनसीब मानते हैं कि उन्हें ऐसा संगीत बनाने का मौका मिलता है, जिसे अलग-अलग पीढ़ियों के लोग पसंद करते हैं।

रणबीर कपूर के अभिनय से प्रभावित हुए अनुपम खेर

फिल्म 'रामायण' को लेकर दर्शकों के बीच चर्चा जारी है। इसी बीच अभिनेता अनुपम खेर ने फिल्म देखने के बाद अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें फिल्म की तारीफ करते हुए बताया कि इसे देखते समय वह कई बार भावुक हो गए। अनुपम के मुताबिक, स्टॉकहोम में दर्शकों के बीच फिल्म देखने का अनुभव उनके लिए बेहद खास रहा।

अनुपम खेर ने बताया कि स्टॉकहोम में करीब 500 लोगों से भरे सिनेमाघर में फिल्म दिखाई गई। फिल्म खत्म होने के बाद पूरा हॉल तालियों से गूंज उठा और दर्शकों ने 'जय श्रीराम' के नारे लगाए। उन्होंने कहा कि विदेश में भारतीय संस्कृति और विरासत से जुड़ी फिल्म के लिए लोगों का



ऐसा उत्साह देखना गर्व की बात है। वीडियो में अनुपम ने कहा कि फिल्म देखकर उनके पास अपनी भावनाएं जाहिर करने के लिए शब्द कम पड़ गए। उन्होंने इसे लंबे समय बाद बनी शानदार फिल्मों में से एक बताया। अभिनेता ने यह भी कहा कि फिल्म पर जैसे प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद रहा हो। फिल्म में रणबीर कपूर के अभिनय की तारीफ करते हुए अनुपम ने कहा कि उन्होंने भगवान राम के किरदार को बेहद सलीके और खूबसूरती से निभाया है। उनके मुताबिक, रणबीर का यह किरदार लंबे समय तक याद रखा जाएगा। उन्होंने यश के काम की भी सराहना की और कहा कि लगातार तीन घंटे तक दर्शकों को बांधे रखना आसान नहीं होता। इसके लिए कलाकार को फोकस, ऊर्जा और अभिनय में निरंतरता बनाए रखनी पड़ती है। अनुपम ने मां सीता की भूमिका निभा रहीं साई पल्लवी के अभिनय को भी पसंद किया। उन्होंने कहा कि सीता का किरदार निभाना चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि यह भूमिका केवल सुंदरता और सरलता तक सीमित नहीं है। इसमें त्याग, साहस और दृढ़ता जैसे कई पहलू भी हैं। इस फिल्म से अनुपम खेर खुद भी जुड़े हुए हैं। उन्होंने जटायु के किरदार को अपनी आवाज दी है और फिल्म की शुरुआत में नैरेशन भी किया है। अभिनेता ने जटायु के संघर्ष वाले दृश्य को फिल्म का खास हिस्सा बताया। इसके अलावा उन्होंने आखिरी दृश्य का भी जिक्र किया, जिसमें भगवान हनुमान के रूप में सनी देओल की झलक दिखाई देती है। अनुपम ने अपनी पोस्ट में लिखा कि फिल्म से जुड़ना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास की यादगार फिल्मों में शामिल बताया और पूरी टीम को बधाई दी।

लगातार रील्स देखना आंखों के लिए हो सकता है नुकसानदायक

आज की डिजिटल लाइफस्टाइल में स्मार्टफोन हमारे हर पल का हिस्सा बन चुका है। सुबह उठते ही सबसे पहले फोन चेक करना और रात को सोने से पहले आखिरी बार सोशल मीडिया देखना अब आम आदत बन गई है। खासकर Instagram Reels, YouTube Shorts और Facebook Videos जैसे शॉर्ट फॉर्म कंटेंट ने लोगों को अपनी ओर तेजी से खींचा है। सिर्फ 15–30 सेकंड के इन वीडियोज़ को स्क्रॉल करते-करते घंटों बीत जाते हैं और हमें पता भी नहीं चलता। लेकिन यही आदत हमारी आंखों के लिए खतरनाक साबित हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति सिर्फ 1 घंटे लगातार रील्स या शॉर्ट वीडियो देखता है, तो उसकी आंखों में थकान, जलन और धुंधलापन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। स्मार्टफोन की स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट आंखों के लिए सबसे ज्यादा हानिकारक होती है। जब हम रील्स देखते हैं, तो हमारी आंखें लगातार स्क्रीन पर फोकस करती रहती हैं। छोटे-छोटे वीडियो बार-बार बदलते रहते हैं, जिससे आंखों को आराम नहीं मिलता। धीरे-धीरे आंखों की नमी कम होने लगती है और सूखापन महसूस होता है। यही कारण है कि सिर्फ एक घंटे तक लगातार स्क्रॉल करने के बाद ही आंखें भारी लगने लगती हैं।

घंटों रील्स देखने से हो सकती हैं ये परेशानियां:

लगातार रील्स और शॉर्ट वीडियो देखने की वजह

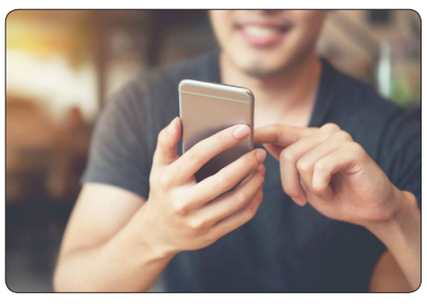

से आंखों पर कई तरह के नेगेटिव इफेक्ट्स पड़ते हैं, जैसे:

- आंखों में जलन और थकान
- धुंधला दिखाई देना
- सिरदर्द और माइग्रेन की समस्या
- सूखी आंखें
- नींद में कमी
- लंबे समय में कमजोर नजर

क्यों बढ़ रही है समस्या?

रील्स और शॉर्ट वीडियो इस तरह डिज़ाइन किए जाते हैं कि वे दिमाग को तुरंत डोपामिन रिलीज़ कराते हैं, जिससे हमें बार-बार अगला वीडियो देखने की इच्छा होती है। यही वजह है कि हम 'सिर्फ 5 मिनट' सोचकर फोन उठाते हैं और देखते-देखते एक घंटा कब निकल जाता है, हमें पता ही नहीं चलता। इस दौरान आंखों को बिना पलक झपकाए स्क्रीन पर टिके रहना पड़ता है। नतीजा – आंखें थक जाती हैं और शरीर भी तनाव महसूस करने लगता है।

कैसे बचें आंखों की थकान से?

अगर आप चाहते हैं कि सोशल मीडिया आपके लिए एंटरटेनमेंट का साधन बने लेकिन आंखों की सेहत को नुकसान न पहुंचाए, तो आपको कुछ आसान उपाय अपनाने चाहिए:

- 20-20-20 रूल अपनाएं, हर 20 मिनट बाद, 20 सेकंड के लिए, 20 फीट दूर किसी चीज को देखें।
- स्क्रीन टाइम लिमिट करें, कोशिश करें कि लगातार 30-40 मिनट से ज्यादा फोन की स्क्रीन न देखें।
- ब्लू लाइट फिल्टर का इस्तेमाल करें, फोन की सेटिंग्स में 'ब्लू लाइट फिल्टर' या 'नाइट मोड' जरूर ऑन करें।
- आंखों को बार-बार झपकाएं, इससे आंखों में नमी बनी रहती है।
- आंखों की एक्सरसाइज करें, हल्के हाथों से आंखों की मसाज करें और ठंडे पानी से धोएं।
- सोने से पहले सोशल मीडिया से दूरी रखें, रात में देर तक रील्स देखना नींद खराब कर सकता है।

कब करें डॉक्टर से संपर्क?

अगर आपकी आंखों में बार-बार जलन होती है, धुंधला दिखने लगता है, सिरदर्द रहता है या स्क्रीन देखने पर तुरंत थकान महसूस होती है, तो यह डिजिटल आई स्ट्रेन का संकेत हो सकता है। ऐसे में आपको तुरंत नेत्र विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए।

आपके नाम पर कितने सिम चल रहे हैं? ऐसे करें चेक

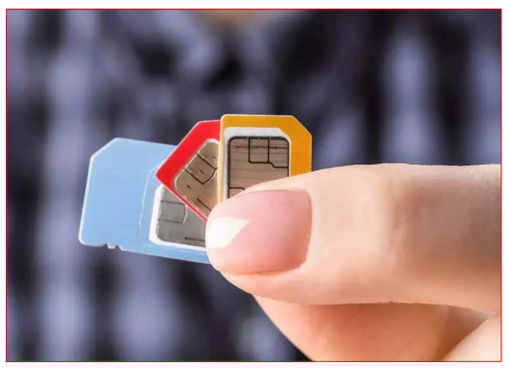

ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में हर व्यक्ति के लिए अपनी पहचान और उससे जुड़ी निजी जानकारी को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी हो गया है। कई बार स्कैमर्स दूसरे लोगों की पहचान का गलत इस्तेमाल करके धोखाधड़ी जैसी घटनाओं को अंजाम देते हैं। इसमें किसी दूसरे व्यक्ति के आधार कार्ड पर बिना उसकी जानकारी के सिम कार्ड लेना भी शामिल है। ऐसे में हो सकता है कि आपके नाम पर भी कोई ऐसा सिम कार्ड इस्तेमाल कर रहा हो, जिसकी जानकारी आपको न हो। इसलिए समय-समय पर यह जांच करना जरूरी है कि आपके आधार कार्ड और आईडी पर कितने मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड हैं और उनमें से कितने एक्टिव हैं।

अच्छी बात यह है कि इसके लिए आपको किसी मोबाइल स्टोर या सरकारी दफ्तर जाने की जरूरत नहीं है। आप घर बैठे ऑनलाइन ही अपने नाम पर जारी सभी सिम कार्ड की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अगर कोई ऐसा मोबाइल नंबर दिखाई देता है जिसे आपने नहीं लिया है या इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं, तो उसकी शिकायत करके उसे ब्लॉक भी करवा सकते हैं। यहां हम आपको बताएंगे कि आप अपने आधार आईडी से एक्टिवेट सिम कार्ड की संख्या और उनकी पूरी डिटेल कैसे चेक कर सकते हैं और अनजान नंबर मिलने पर उसे ब्लॉक करने के लिए क्या करना होगा।

किसी आईडी पर कितनी सिम एक्टिवेट हैं कैसे पता करें?

- स्टेप 1 - सबसे पहले आपको सरकारी वेबसाइट tafcop.dgtelecom.gov.in पर जाना है।
- स्टेप 2 - यहां अपना मोबाइल नंबर और कैप्चा कोड भरकर वैलिडेट ऑप्शन पर क्लिक करें।
- स्टेप 3 - आपके मोबाइल नंबर पर आए OTP पर क्लिक कर लॉगइन प्रोसेस पूरा करें।
- स्टेप 4 - अगले पेज पर आपको उन सभी मोबाइल नंबर की लिस्ट दिखाई देगी, जो आपकी ID से चल रहे हैं।

नंबर ब्लॉक कैसे करें?

आपका मोबाइल नंबर आधार कार्ड से लिंक है। ऐसे में वे सभी नंबर की लिस्ट यह निकाल लेता है, जो एक ही आधार कार्ड से लिंक है। इस लिस्ट में कोई ऐसा नंबर है, जो आप यूज नहीं कर रहे हैं या फिर आपके परिवार में कोई उसे यूज नहीं करता है तो उसे रिपोर्ट कर सकते हैं। इसके बाद आपको रिपोर्ट टिकट का रिफ्रेंस नंबर मिलेगा, जिसे आप भविष्य के लिए सेव रख सकते हैं।

एक आईडी पर कितनी सिम ले सकते हैं?

भारत में एक आईडी पर 9 सिम एक्टिवेट किये जा सकते हैं। वहीं, जम्मू-कश्मीर, असम और पूर्वोत्तर के राज्यों में एक आईडी पर 6 सिम ही एक्टिवेट हो सकते हैं। समय-समय पर अपनी आईडी पर कितनी सिम एक्टिवेट हैं यह पता करते रहना चाहिए।

बैंकिंग क्षेत्र में नौकरी पाने के लिए जरूरी है सही योग्यता और तैयारी

बैंकिंग भारत में सबसे तेज़ी से बढ़ते उद्योगों में से एक है। बैंकिंग क्षेत्र में कैरिअर सबसे ज़्यादा मांग वाले रोज़गार के अवसरों में से एक है क्योंकि यह बेहतर वित्तीय स्थिति, नौकरी की सुरक्षा, प्रोत्साहन और सेवानिवृत्ति के बाद के लाभों जैसे कई लाभ प्रदान करता है। युवा उम्मीदवारों के बीच बैंकिंग क्षेत्र में कैरिअर बनाने की मांग बढ़ रही है। सालाना 50 लाख से ज़्यादा उम्मीदवार विभिन्न परीक्षाओं के लिए आवेदन करते हैं। लगभग 30 लाख उम्मीदवार हर साल एसबीआई पीओ और एसबीआई क्लर्क परीक्षाओं के लिए आवेदन करते हैं। बैंकिंग क्षेत्र में युवाओं के लिए ढेरों अवसरों व बेहतरीन वेतन के साथ-साथ अन्य सुविधाएं और लाभ भी उपलब्ध हैं। भारत में कई सरकारी तथा निजी वाणिज्यिक बैंक हैं। वहीं सहकारी बैंक होते हैं जो ग्रामीण लोगों के लिए काम करते हैं। जैसे राज्य सहकारी बैंक, केंद्रीय सहकारी बैंक और प्राथमिक कृषि ऋण समितियां। निवेश बैंक और विशेष बैंक अपने ग्राहकों को वित्तीय मदद, विदेशी मुद्रा, इक्विटी की बिक्री, विदेशी व्यापार आदि जैसी सहायता प्रदान करते है। हमारे यहां लोकप्रिय बैंकों में आरबीआई,एसबीआई, बैंक आफ इण्डिया, आईसीआईसीआई, एचडीएफसी, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक आफ बड़ौदा तथा सेंट्रल बैंक आफ इण्डिया हैं। कुछ ऐसी कंपनियां भी हैं जो बैंकिंग व्यवसाय में संलग्न हैं जैसे जेपी मॉर्गन, गोल्डमैन सास, विश्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, मॉर्गन स्टेनली, अमेरिकन एक्सप्रेस आदि।

बैंकिंग में उपलब्ध हैं ढेर सारे अवसर

बैंकों और वित्तीय संस्थानों के संचालन के लिए एक बड़ी टॉस्क फोर्स चाहिये। इसीलिए हमारे यहां साल-दर-साल बैंकिंग के क्षेत्र में भर्तियां चलती ही रहती हैं। इन सेवाओं के लिए वाणिज्यिक बैंकर्स, ऋण अधिकारी , निवेश बैंकर, वित्तीय लेखाकार, शाखा प्रबंधक, क्रेडिट विश्लेषक, रिलेशन मैनेजर्स,बजट एनालिस्ट्स,ऑडिटर्स, बैंक मैनेजर्स,प्राबेशनरी आफिसर्स, कैशियर्स, काउण्टर्स,लोन आफिसर्स, लीगल मैनेजर्स, पोर्टफोलियो मैनेजर्स, पब्लिक रिलेशंस आफिर्स और क्लर्क आदि की आवश्यकता होती है।

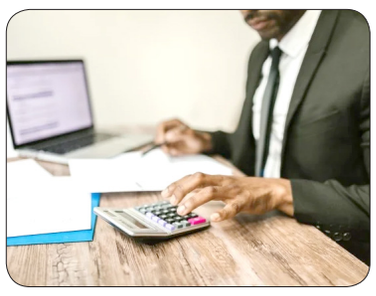

आकर्षक वेतन एवं भत्ते

पिछले द्विपक्षीय समझौते के अनुसार, क्लर्क का कुल वेतन लगभग 32,000 से 33,000 रुपये है। मेट्रो शाखाओं या शहर की शाखाओं में, उम्मीदवारों को अतिरिक्त भत्ते मिलते हैं। पीओ तथा अन्य अधिकारियों को लगभग एक लाख रुपए प्रतिमाह तक वेतन मिलता है।

योग्यताएं: वैसे तो क्लर्क और पीओ की परीक्षाओं के लिए किसी भी विषय में स्नातक डिग्री का होना पर्याप्त है लेकिन आगे बढ़ने तथा स्पर्द्धात्मक रूप से तैयार करने के लिए अतिरिक्त योग्यता भी जरूरी है। इनमें बैंकिंग और वित्त में स्नातक,बैंकिंग/लेखा में बीबीए,वित्त और लेखा में स्नातक, सांख्यिकी और व्यवसाय में स्नातक,बैंकिंग और बीमा में स्नातक (बीबीआई), की योग्यता उपयोगी होती हैं। आईटी अधिकारी, मानव संसाधन, राजभाषा अधिकारी के लिए कुछ विशेष योग्यताएं आवश्यक हैं, जैसे कि एमटेक, एमबीए (एचआर), एमसीए। विभिन्न बैंक परीक्षाओं में आवेदन करने के लिए, उम्मीदवारों को एसबीआई, आरबीआई, आईबीपीएस, नाबार्ड आदि जैसी विभिन्न परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं द्वारा निर्धारित आवश्यक पात्रता मानदंडों को पूरा करना होगा। आवेदन करने हेतु शैक्षणिक योग्यता स्नातक है। बैंक पीओ की नौकरियों के लिए आवश्यक आयु सीमा 20 से 30 वर्ष है। बैंक क्लर्क के लिए आयु सीमा 20 से 28 वर्ष है व एसओ के लिए आयु 20 से 30 वर्ष है।

आवश्यक कौशल

बैंकिंग क्षेत्र में कैरियर बनाने वाले युवाओं के पास समुचित शैक्षिक योग्यता के साथ-साथ कुछ अतिरिक्त कौशल का होना जरूरी है। इसमें ग्राहक से व्यवहार सबसे महत्वपूर्ण है। ग्राहकों से डील करने के लिए उत्कृष्ट संचार कौशल और धैर्य होना आवश्यक है। आपके पास विश्लेषणात्मक कौशल होना चाहिए जैसे डेटा विश्लेषण और पूर्वानुमान लगाने, योजना बनाने, प्राथमिकता देने, रैंक करने और वित्तीय समस्याओं को पहचानने की क्षमता।

बैंकिंग के लिए भर्ती परीक्षाएं

बैंकों में नियुक्ति के लिए युवाओं को आईबीपीएस अर्थात बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान की जैसी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना होगा। आईबीपीएस पिछले पन्द्रह सालों से बैंकिंग की परीक्षासं आयोजित कर रहा है। इनमें आईबीपीएस पीओ, आईबीपीएस एसओ, आई बीपीएस आरआरबी, आईबीपीएस क्लर्क, एसबीआई पीओ, एसबीआई क्लर्क आदि की परीक्षाएं शामिल हैं।

ऐसे करें परीक्षाओं की तैयारी

बैंक परीक्षाओं में तीन चरण होते हैं- प्रारंभिक, मुख्य और साक्षात्कार। उम्मीदवारों को 12वीं के बाद बैंक की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए क्योंकि आजकल प्रतिस्पर्धा बहुत अधिक है। प्रारंभिक में, सामान्य तीन खंड होते हैं- क्वांट, अंग्रेजी और रीजनिंग। उम्मीदवारों को पहले विभिन्न वर्गों के लिए महत्वपूर्ण विषयों की जांच करनी चाहिए और यह भी कि उन विषयों का कितना वेटेज है। जीके भी तैयार करना चाहिए। करंट अफेयर्स और जनरल जागरूकता के अलावा, बैंकिंग जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण है। साक्षात्कार में भी बैंकिंग जागरूकता से प्रश्न पूछे जाते हैं। उम्मीदवारों को प्री की तैयारी पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए क्योंकि प्रतिस्पर्धा अधिक है। तैयारी धीरे-धीरे शुरू करें, पहले विषयों के कॉन्सेप्ट्स को क्लियर करें। उम्मीदवारों को विषयों के कॉन्सेप्ट्स ऑनलाइन संसाधनों या कोचिंग से क्लियर करने चाहिए। रीजनिंग में, पज़ल्स पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि 50 से 60 प्रतिशत प्रश्न इसी विषय से पूछे जाते हैं। अंग्रेजी के लिए, उम्मीदवारों को अखबार पढ़ने चाहिए। शब्दों को नोट करना चाहिए और उनके अर्थ खोजने चाहिए।

दीपावली पर शहीदों के घर पहुंचे सदर विधायक पंकज गुप्ता परिजनों को किया सम्मानित

अंगवस्त्र और उपहार भेंट कर दी पर्व की शुभकामनाएं, वीर जवानों के बलिदान को किया नमन



संवाददाता

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। दीपावली के पावन पर्व पर सदर विधायक पंकज गुप्ता ने शहीद परिवारों के बीच पहुंचकर सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने लोकनगर स्थित पुलवामा आतंकी हमले में शहीद अमर वीर सपूत अजीत आजाद तथा कब्बा खेड़ा निवासी अमर शहीद शशिकांत तिवारी के आवास पर पहुंचकर उनके परिजनों से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान विधायक ने शहीद परिवारों को अंगवस्त्र एवं उपहार भेंट कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। विधायक पंकज गुप्ता ने दोनों वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए कहा कि देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले सैनिकों का त्याग और समर्पण सदैव राष्ट्र के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। उनके अदम्य साहस, शौर्य और राष्ट्रभक्ति को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने शहीदों के परिजनों के प्रति सम्मान, संवेदना और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि वीर जवानों के बलिदान के कारण ही देशवासी सुरक्षित वातावरण में पर्व-त्योहार मना पा रहे हैं। शहीद परिवारों का सम्मान करना समाज और राष्ट्र का नैतिक दायित्व है। देश सदैव अपने वीर सपूतों और उनके परिवारों का ऋणी रहेगा।

दिवाली की खुशियां मातम में बदलीं, गुब्बारा गले में फंसने से 10 वर्षीय बच्ची की मौत

नानी के घर त्योहार मनाने आई थी नंदिनी, खेलते समय हुआ दर्दनाक हादसा

संवाददाता



बदायूं, उत्तर प्रदेश। दिवाली की खुशियां एक दर्दनाक हादसे के बाद मातम में बदल गईं। बदायूं के उघैती क्षेत्र में नानी के घर दिवाली मनाने आई 10 वर्षीय बच्ची नंदिनी की गुब्बारा गले में फंसने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, उघैती के सराह बरौलिया गांव निवासी भुवनेश अपने परिवार के साथ दिल्ली के दादरी में रहकर खेती-किसानी करते हैं। उनकी शादी गढ़ौली गांव निवासी रामदयाल मौर्य की बेटी देववती से हुई थी। दंपति के तीन बच्चे हैं, जिनमें नंदिनी सबसे छोटी थी। वह दिल्ली में कक्षा चार में पढ़ती थी। परिजनों के मुताबिक, नंदिनी करीब एक महीने पहले अपनी नानी के घर आई थी। दिवाली के बाद उसे परिवार के साथ वापस दिल्ली लौटना था। सोमवार सुबह वह घर के बाहर अन्य बच्चों के साथ खेल रही थी। इस दौरान बच्चे गुब्बारे फुला रहे थे और नंदिनी भी गुब्बारा फुलाने लगी। इसी बीच गुब्बारे से हवा निकलने के दौरान वह अचानक बच्ची के गले में चिपक गया, जिससे उसकी सांस लेने में परेशानी होने लगी। नंदिनी छटपटाने लगी। बच्चों के शोर मचाने पर परिजन तत्काल मौके पर पहुंचे और बच्ची को बिल्सी के एक निजी चिकित्सक के पास ले गए। हालांकि, डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। एक छोटी सी खेल गतिविधि के दौरान हुए इस हादसे ने परिवार की दिवाली की खुशियां छीन लीं। नंदिनी की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आगरा एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा: 40 फीट गहरी खंती में पलटी बस, तीन की मौत, 40 से अधिक घायल

संवाददाता

लखनऊ, उत्तर प्रदेश। आगरा एक्सप्रेसवे पर सोमवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक लोग घायल हो गए। राजस्थान के भिवाड़ी से बिहार के छपरा जा रही यात्रियों से भरी बस पारा इलाके में जीरो पॉइंट के पास अनियंत्रित होकर करीब 40 फीट गहरी खंती में पलट गई। हादसे में छोटे बच्चों समेत कई यात्री घायल हुए हैं। यात्रियों ने चालक पर शराब पीकर तेज रफ्तार में बस चलाने का आरोप लगाया है। हालांकि, चालक के नशे में होने की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। प्रारंभिक जानकारी में बस का पिछला टायर फटने से हादसा होने की आशंका भी जताई गई है। सोमवार सुबह करीब 6:30 बजे बस खंती में पलटते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। आवाज सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए पहुंचे। सूचना मिलने पर पुलिस, एनडीआरएफ और दमकल की टीमें मौके पर पहुंचीं। करीब 40 मिनट की मशक्कत के बाद बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया। घायलों को एंबुलेंस से लोकबंधु अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया।

चालक पर शराब पीकर बस चलाने का आरोप, छोटे बच्चे भी हुए हादसे का शिकार



डीसीपी पश्चिम जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव के अनुसार, बस में कुल 52 यात्री सवार थे। इनमें से 29 घायलों को लोकबंधु अस्पताल और 13 को ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। उपचार के दौरान अस्पताल में भी दो यात्रियों की मौत हो गई। मृतकों में बिहार के बेगूसराय निवासी 63 वर्षीय शंकर रजक की पहचान हुई है। यात्रियों का आरोप है कि राजस्थान से लखनऊ तक रास्ते में चालक और परिचालक ने कई स्थानों पर रुककर शराब पी थी। चालक की हालत देखकर यात्रियों ने उसे कई बार बस रोकने और सावधानी से चलाने के लिए कहा, लेकिन वह तेज रफ्तार से बस दौड़ाता रहा। हादसे में बिहार के वैशाली की चांदनी और उनकी दो वर्षीय बेटी आरोही व तीन वर्षीय बेटी संध्या भी घायल हुई हैं। इसके अलावा आजमगढ़, महाराजगंज, देवरिया और बिहार के विभिन्न जिलों के यात्रियों को चोटें आई हैं। अस्पतालों में घायलों का उपचार जारी है। अपनों से मिलने की उम्मीद लेकर निकले यात्रियों का सफर अचानक चीख-पुकार और मातम में बदल गया।

दीपावली पर मध्यप्रदेश में दो भीषण अग्निकांड 12 लोगों की मौत से दो परिवारों में मातम

संवाददाता

भोपाल, मध्यप्रदेश। दीपावली की खुशियां मध्यप्रदेश के दो परिवारों के लिए मातम में बदल गईं। कटनी और सिवनी जिले में आग लगने की दो अलग-अलग घटनाओं में 12 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों हादसों में परिवार के सदस्य आग और धुएं के बीच फंस गए, जिससे उन्हें बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका। घटनाओं पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को राज्य सरकार की ओर से चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर दोनों घटनाओं को बेहद दुखद बताया। उन्होंने मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना जताई और कहा कि इस कठिन समय में सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है।

सिवनी में मकान में आग, छह की मौत

सिवनी जिले के छपारा में दीपावली की रात के बाद सोमवार तड़के करीब 4 से 4:30 बजे महावीर वार्ड क्रमांक-7 में जैन मंदिर के पास स्थित कुंदन सोनी के मकान में आग लग गई। घटना के समय घर में परिवार के 10 सदस्य मौजूद थे। आग तेजी से फैलने के कारण परिवार के लोग भीतर ही फंस गए। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि चार सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

कटनी के बरही में क्रॉकरी दुकान और तीन मंजिला इमारत आग की चपेट में

दूसरी घटना कटनी जिले के बरही में रात करीब 12 बजे हुई। पूरन अग्रवाल और रितेश अग्रवाल की क्रॉकरी दुकान में लगी आग ऊपर बनी तीन मंजिला इमारत तक फैल गई। आग और धुएं के कारण इमारत में मौजूद लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला।

हादसे में दो महीने के बच्चे समेत छह लोगों की मौत हो गई। आग बुझाने और इमारत में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए देर रात तक प्रयास जारी रहे। सोमवार सुबह करीब 6:30 बजे जेसीबी की मदद से इमारत की दीवार तोड़कर दो लोगों को बाहर निकाला गया। दीपावली के पर्व के बीच हुए इन दोनों अग्निकांडों ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है।

कटनी और सिवनी में आग ने उजाड़े परिवार, सीएम मोहन यादव ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये सहायता देने के निर्देश दिए



वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ दीपावली मनाने पहुंचे एसएसपी जय प्रकाश सिंह

संवाददाता

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। दीपावली के पावन पर्व पर उन्नाव के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने सामाजिक संवेदनशीलता और मानवीय सरोकारों की मिसाल पेश की। एसएसपी अपनी धर्मपत्नी श्रीमती नीतू सिंह और परिवार के सदस्यों के साथ थाना बेहटा मुजावर क्षेत्र के तकिया निगोही स्थित वृद्धाश्रम पहुंचे। यहां उन्होंने वृद्धाश्रम में निवासरत बुजुर्गों के साथ दीपावली का पर्व हर्षोल्लास और आत्मीयता के साथ मनाया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी बांगरमऊ हर्ष मोदी, थाना प्रभारी बेहटा मुजावर सहित पुलिसकर्मी मौजूद रहे। एसएसपी और उनके परिवार ने बुजुर्गों का हालचाल जाना तथा उनके स्वास्थ्य, रहन-सहन और आवश्यकताओं की जानकारी ली। सभी वरिष्ठ नागरिकों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखी और दीर्घायु जीवन की कामना की गई। इस अवसर पर बुजुर्गों को शॉल, मिठाइयां, दीपक, बाती और मोमबत्तियां भेंट की गईं। एसएसपी, उनकी पत्नी और पुलिसकर्मियों ने बुजुर्गों को स्वयं भोजन परोसा और उनके साथ बैठकर भोजन भी किया। एसएसपी जय प्रकाश सिंह ने कहा कि समाज में बुजुर्गों का अनुभव, स्नेह और आशीर्वाद सबसे बड़ी पूंजी है। दीपावली जैसे पर्व पर यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि कोई भी बुजुर्ग स्वयं को अकेला या उपेक्षित महसूस न करे। उनके प्रति सम्मान, संवेदनशीलता और देखभाल करना सभी की सामाजिक एवं नैतिक जिम्मेदारी है।एसएसपी और पुलिस टीम की इस पहल से वृद्धाश्रम का माहौल पारिवारिक स्नेह और उल्लास से भर गया। बुजुर्गों के चेहरों पर खुशी और अपनत्व साफ झलक रहा था। उन्नाव पुलिस की यह पहल संदेश देती है कि त्योहारों की खुशियां तभी सार्थक होती हैं, जब समाज के जरूरतमंद और अकेले रह रहे लोगों तक भी प्रेम और खुशियों का प्रकाश पहुंचे।

पत्नी नीतू सिंह और पुलिस टीम ने वरिष्ठ नागरिकों को भेंट की मिठाइयां, स्वयं भोजन परोसकर जताया अपनत्व



अयोध्या में महिलाओं से कथित अभद्रता पर अखिलेश का भाजपा पर हमला, बोले- 'नारी का सम्मान नहीं, अपमान करते हैं'

संवाददाता

लखनऊ, उत्तर प्रदेश। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अयोध्या में भाजपा के एक कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के साथ कथित मारपीट और अभद्रता को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने महिला आयोग से मामले का संज्ञान लेकर संबंधित भाजपा नेताओं और आयोजकों के खिलाफ वैधानिक एवं दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा के लोग नारी सम्मान की बात करते हैं, लेकिन महिलाओं का अपमान करते हैं। सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए अखिलेश यादव ने दावा किया कि कुछ महीनों बाद प्रदेश में पीडीए सरकार बनने पर राशन में सरसों का तेल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि शोषित, वंचित और गरीब वर्ग के लोगों को भाजपा के कथित उत्पीड़न और अपमान से मुक्ति मिलेगी। सपा अध्यक्ष ने दावा किया कि भाजपा से पीड़ित और अपमानित लोग इस बार उसका स्थायी सफाया कर देंगे।

महिला आयोग से कार्रवाई की मांग, बोले- अगला चुनाव महिला-युवा बनाम भाजपा की लड़ाई होगा



लखनऊ अग्निकांड की पीड़ित मां का किया जिक्र

अखिलेश यादव ने लखनऊ अग्निकांड में जान गंवाने वाले युवक की मां का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की ओर से सार्वजनिक रूप से दुखी मां का अपमान किया गया। अखिलेश ने इसे मातृशक्ति का अपमान बताते हुए कहा कि उस मां का श्राप खाली नहीं जाएगा।

'भाजपा तेल की फिसलन वाली ढलान पर'

सपा अध्यक्ष ने 2024 के लोकसभा चुनाव और 2026 के विधान परिषद चुनाव का हवाला देते हुए दावा किया कि भाजपा के जुमलों का असर जनता के बीच समाप्त हो रहा है। उन्होंने भाजपा को 'तेल की फिसलन की ढलान' पर बताते हुए कहा कि जनता उसे हमेशा के लिए हराने के मूड में है। अखिलेश यादव ने यह भी दावा किया कि भाजपा से जुड़े कई राजनीतिक लोग जनाक्रोश के डर से राजनीति छोड़ने या अन्य दलों में जगह तलाशने को मजबूर हैं। उन्होंने आगामी चुनाव को 'महिला-युवा बनाम भाजपा' की लड़ाई बताते हुए पार्टी की राजनीतिक चुनौती को रेखांकित किया।

दिल्ली रेलवे यार्ड में 1,286 किलो मांस की खेप जब्त गोमांस होने का संदेह

संवाददाता

नई दिल्ली। रेलवे विजिलेंस इकाई से मिली सूचना के बाद दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन स्थित न्यू वॉशिंग लाइन रेलवे यार्ड से 1,286.35 किलोग्राम मांस की खेप जब्त की गई है। इस खेप में गोमांस होने का संदेह जताया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, मांस की वास्तविक प्रकृति की पुष्टि प्रयोगशाला जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस के अनुसार, जब्त खेप में कुल 20 पैकेट शामिल हैं।

यह मांस रविवार को हैदराबाद से दक्षिण एक्सप्रेस (12721) के जरिए दिल्ली पहुंचा था। बुकिंग के दौरान पैकेटों को मटन और मांस के रूप में दर्ज किया गया था। 8 नवंबर को सुबह करीब 9 बजे वडोदरा हाउस स्थित रेलवे विजिलेंस इकाई को इस खेप के संबंध में जानकारी मिली। सूचना के आधार पर पुलिस टीम तत्काल रेलवे यार्ड पहुंची और कार्रवाई करते हुए मांस को जब्त कर लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) की विशेष टीम और पशु चिकित्सक को मौके पर बुलाया गया। विशेषज्ञों ने जब्त मांस के नमूने एकत्र किए हैं, जिन्हें जांच के लिए भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट से यह स्पष्ट होगा कि खेप में किस प्रकार का मांस मौजूद था और क्या इसमें वास्तव में गोमांस शामिल था। कार्रवाई के दौरान सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की टीमें भी मौजूद थीं। पुलिस ने बताया कि मामले में आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। ई-साक्ष्य मंच के माध्यम से दस्तावेजीकरण भी किया जा रहा है। प्रयोगशाला रिपोर्ट और जांच के निष्कर्ष सामने आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दक्षिण एक्सप्रेस से हैदराबाद से दिल्ली पहुंची थी खेप, एफएसएल और पशु चिकित्सक ने लिए नमूने, पुलिस ने शुरू की जांच



गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन: सीएम योगी ने 125 लोगों की सुनी समस्याएं

संवाददाता

गोरखपुर, उत्तर प्रदेश। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में 125 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित कार्रवाई करें और प्रत्येक मामले का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित करें।

समस्या लेकर पहुंचे लोगों को आश्वस्त करते हुए उन्होंने कहा- चिंता मत करिए। सरकार हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी।महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठे फरियादियों तक मुख्यमंत्री स्वयं पहुंचे। उन्होंने एक-एक कर लोगों की शिकायतें सुनीं और प्रार्थना पत्र प्राप्त किए। मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश देते हुए संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को शिकायतें संदर्भित कीं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध तरीके से पूरी संवेदनशीलता और निष्पक्षता के साथ किया जाना चाहिए। जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर भी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिलाया कि धन के अभाव में किसी का उपचार नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जरूरतमंद मरीजों के उच्चस्तरीय इलाज का एस्टीमेट शीघ्र तैयार कर उपलब्ध कराया जाए। एस्टीमेट प्राप्त होते ही सरकार की ओर से उपचार के लिए धनराशि जारी की जाएगी। इस दौरान बच्चों के साथ पहुंची महिलाओं से भी मुख्यमंत्री ने आत्मीयता से मुलाकात की। उन्होंने बच्चों को प्यार-दुलार और आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट भेंट की।



दीपावली की सुबह पारिवारिक विवाद बना खूनी पति ने लाठी से पीटकर पत्नी की हत्या की

संवाददाता

चरगवां, मध्य प्रदेश। दीपावली की सुबह पारिवारिक विवाद ने एक महिला की जान ले ली। चरगवां थाना क्षेत्र के ग्राम भिड़की में पति ने कथित तौर पर लाठी से पीट-पीटकर पत्नी की हत्या कर दी। मृतका की पहचान सुकरती बाई के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी पति नेमचंद ठाकुर (44) को गिरफ्तार कर हत्या का मामला दर्ज किया है। न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार, दीपावली की सुबह सुकरती बाई का शव घर के बाहर दहलान में रक्तरंजित अवस्था में मिला। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि घटना से एक रात पहले करीब 9 बजे पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। इस दौरान पड़ोस में रहने वाले महिला के बहनोई और भतीजे ने हस्तक्षेप कर दोनों को शांत कराया था। बताया गया कि रात करीब 2 बजे दोनों के बीच दोबारा विवाद हुआ। इसी दौरान आरोपी पति नेमचंद ठाकुर ने पत्नी पर लाठी से हमला कर दिया। मारपीट में महिला के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। घायल सुकरती बाई दहलान में जाकर बेहोश होकर गिर गई और वहीं उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर उसे हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने पारिवारिक विवाद के चलते पत्नी के साथ लाठी से मारपीट करने और उसकी हत्या करने की बात स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।



मालिक, प्रकाशक व मुद्रक- सुनील कुमार तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट नं. ०४, ग्राउंड फ्लोर, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नियर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं ०२, गोरेगांव (पूर्व) मुंबई-४०००६३ से मुद्रित व ६१७, बिल्डिंग नं. १४ नियर शिव शक्ति बिल्डिंग, गोलीबार रोड, सान्ताक्रूज (पूर्व), मुंबई-४०००५५ से प्रकाशित। **संपादक- सुनील कुमार तिवारी,** RNI. NO. MAHMUL/2017/74054 । **संपादकीय कार्यालय: ब्रह्मदीन शर्मा चाल, जवाहर नगर, साईबाबा रोड, खार (पूर्व) मुंबई - 400051, Mob. 8898271111**